मैंने सुना है परंतु अब मैं देखता हूं

आप बैठ जाये। आज रात्रि फिर वापस आना अच्छा है। धन्यवादित हूँ यीशु कि हमें यह अवसर फिर से मिला कि अब प्रभु की सेवागत रात्रि, आपको लंबे समय तक रोके रखने के बाद, मैं अनुभव करता हूं कि फिर आज रात्रि आपको रोके रखना उचित नही।

2 वहां वापस आकर प्रभु में अपने प्रभु में साथी भाई को सुनना जो अभी इंडियाना से वापस आए, एक विचित्र स्वप्न से हिला हुआ था। वह अपने जीवन में इससे पहले कभी भी शेवरेपोर्ट नही आया था एक रात्रि उसने स्वप्न देखा कि वह शेवरेपोर्ट अपनी कार से नही आया। और वह आया या... कही आया है कलीसिया में वहाँ मैं बोल रहा था उसने कहा मेरे प्रचार करने के पश्चात और लोगों के लिए प्रार्थना करने के बाद, कहा, "'कुछ घटित होने जा रहा है।'" कहा, कि "वह अगले दिन वापस आया।" और, उसने कहा कि वह, "उस इमारत को जानता था, कि वह कैसी दिखती है।" कहा, "वहां सड़क पार नागरिक समागार था परंतु वे समागार में नही गए।" कहा, "यह इस पार थी एक पत्थर की इमारत जिसके पंख लगे थे, और इमारत इस प्रकार से स्थिर थी।" और वह लड़का अपना स्वप्नहार है, मैं उनके स्वप्न देख चुका और जान के सच्चे हैं।

3 और उसने कहा—और उसने कहा, "तब पिछली रात्रि," जिस पर मैं "बोल रहा था और बिमारो के लिए प्रार्थना कर रहा था।" और मैंने कहा, "'कि कुछ घटित होने के लिए तैयार है।' और गर्जन के समान आवाज आयी।" और कहा कि, "लोग चिल्लाने लगे।" और कहा, "जैसे गर्जन जाने लगी," कहा "इसने आवाज बनाई, और बोलना आरंभ किया।" कहता है, "वह बोलना चल रहा था, (उन खिड़कियों से हो कर) परमेश्वर की महिमा चलती हुई अग्नि के रूप में आयी।" उसने यह कभी नही देखा उसने हमें इस विषय में बातें करते सुना था, परंतु उसने स्वयं यह कभी नही देखा था और कहा, "यह वहां खिड़की में से किस प्रकार होते हुए आया और जैसा आप चित्र में देखते हैं वैसी ज्योति बन गई जहां मंडली के ऊपर।" और कहा, "कुछ धर्र–धर्र की आवाज निकाल रही थी।" और कहा, मैं "खड़ा हुआ और बोला, 'यह यहोवा परमेश्वर है।'"

4 और कहा "इसने याद दिलाया (जब इस विषय में सोचता हूँ) जब मूसा लोगो को... मिस्र से बाहर लाया। और उन्होंने कहा, 'मूसा ही बोले और परमेश्वर नही, कहीं हम मर जाये।'"

5 उसने कहा, "हर कोई फर्श पर पड़ा हुआ था, उनके हाथ ऊपर थे चिल्ला रहे थे।" कहा, "वहां भी चिल्ला रहा था, 'प्रभु परमेश्वर मैं आप से प्रेम करता हूँ! मैं आप से प्रेम करता हूँ!'" और पत्नी ने उसे हिलाया और उसे जगा दिया।

6 अभी उसे गलियारे से नीचे जाते देखा, भाई जैक्सन पुराना मेथोडिस्ट का प्रचारक। और वह इतना घबराया हुआ था जब तक वह नीचे नही आया; और कहा जब वह भीतर आया। मैं नही जानता कि इसका क्या अर्थ है। प्रभु ने मुझे नही बताया। परन्तु कुछ हो सकता है उह देखते हुये कि भाई जैक्सन ने यह स्वप्न देखा है यह जानते हुए कि वह ईमानदार और वास्तविक व्यक्ति है परमेश्वर का दास है।

7 और मैं—मैं उसको जानता हूं कि वह स्वप्न देखता है, मेरे पास आया और प्रभु ने मुझे उसका अनुवाद किया, यह बिल्कुल ठीक इस प्रकार से है, यहां तक कि एक बार मैं ऐरीजोना जा रहा था उसे यह स्वप्न में देखा।

8 और वह बहुत ही व्याकुल था। वह अपनी पत्नी के साथ था वह उसे लाया वह माँ बनने वाली थी, और केवल एक ही तरीका था कि हवाई जहाज से था। उसके पास आने के लिये पैसे नही थे, किसी ने उसे पैसे दिये और इसलिए यह बहुत ही भेदपूर्ण रीति से हुआ, इसलिये कुछ हो सकता था हम ऐसी आशा करते हैं। हम नही जानते कि प्रभु हमारे लिए क्या देगा।

9 अब, हम प्रभु के बहुत आभारी है कि इस दिन में हम जी रहे हैं, जिसमें हम है, यीशु के आगमन के थोडा पहले, जैसा कि मैंने पहले कहा यह सारे इतिहास का महान समय है। बल्कि मैं ठीक इस समय मैं रहना चाहता हूँ, बजाये और समय के... इस पृथ्वी पर।

10 मैं अपने सामने यहाँ आज रात्रि अपने मित्र को देखता हूं भाई डौच। इस प्रात: मैंने समाचार मैं उनका उल्लेख किया, आज डौच तिरान्बे वर्ष के है, कितनी धन्य बात है। इसने अपना लंबा जीवन परमेश्वर की महिमा और परमेश्वर की स्तुति के लिये दिया, आज तिरान्बे के मेरे भाई "आपको

जन्म दिन मुबारक हो!" और मैं जानता हूं बाहर चारों और राष्ट्र में जहां ये लोग सुन रहे हैं, वे भी भाई बिल डौच को "जन्मदिन मुबारक कहते हैं।" यह ओरल रोबर्ट के धनिष्ट मित्र है बहुतो ने सुसमाचार के मार्ग में, और हर चीज़ में सहायता की है, वह हमारा अच्छा मित्र है।

11 दूसरा मेथोडिस्ट प्रचारक, भाई मेन को यहां देख कर हमें प्रसन्नता है, बचाया हुआ और पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाये हुए हैं और यह यीशु मसीह के नाम में बैठे हैं, यह भी हमारे एक संगी इंडियाना से है। और मैं समझता हूं, भाई हिकरसन उनके पास बैठे हैं, हमारे जेफरसन विले इंडियाना से एक डीकन (वे आज रात्रि वहां सुन रहे हैं) और मैं समझता हूं भाई व्हीलर एक और दूसरे डीकन, यही कही है। और मैं अभी तक उनको चिन्हित नही कर पाया हूं, कोई अपनी उंगली से वहां इशारा कर रहा है, मैं थोड़ी देर में उनको ढूंढ लूंगा, वहां दाहिनी और बैठें है, जी हां।

भाई बैंक्स वुड, यदि आप आज रात्रि सुन रहे हैं, आपका भाई पिछली रात्रि यहाँ पर था। जैसे ही मैं बाहर निकला मैंने उसे देखा भाई यहोवा विटनेस; का पूरा झुंड मत परिवर्तन हो गया था, प्रभु के दर्शन के कारण भीतर लाया गया।

12 उस दिन लायल वहाँ नाव मैं बैठा था, जब एक दिन पहले उसे बताया गया कि "कुछ" था "जीवन के पुनरुत्थान के विषय में घटित होने जा रहा था।" वह भी वास्तविक यहोवा विटनेस था! परंतु उस प्रात: वहां बैठे हुए, मछली पकड़ने हुए, और उसने पकड़ी... उसके पास बड़ा पुराना (वह केंटकी वाला आप जानते हैं)... एक बड़ा काटा और छोटी सी मछली ने उसे सटक लिया। और उसने गलफडे आंते खींच ली और उसे पानी पर फेंक दिया (छोटी सी सन मछली) और उसने कहा, "अरे, छोटी चीज तूने अपना अंत निवाला खा लिया।" वह छोटी... पानी पर तैर रही थी, मरी हुई, और हवा, उसे कुमुदनी के तालाब में ले गई।

13 और वहाँ एक दिन पहले बैठे हुए, "पवित्र आत्मा ने मुझे बताया कि 'किसी छोटी चीज का पुनरुत्थान होगा संभव है।' कोई बिल्ली का बच्चा जब मैं वापस घर पहुंचा, क्योंकि... "

14 जब हम मछली का चारा खोज रहे थे भाई वुड और मैं जो आज रात्रि सुन रहे हैं, मेरी छोटी लड़की जो की युवा है यहाँ बैठी है, अपने तांतिया सिपाही में व्यस्त है (मैं उसे देखता हूं) वह आई और उसने कहा, "डैडी... " वह

और दूसरी छोटी लड़की बोली, "हम... " अब कोई भी किसी भी प्रकार का जो चाहे पालतू जानवर रख सकता है, परंतु मैं निश्चित हूं बिल्ली पसंद नही है इसलिए वह... या कोई ब्रन्हम नही। इसलिए हम... उसने कहा, "ओह हमें एक बूढी बेचारी बिल्ली मिली है पिताजी ने कुछ खा लिया है, किसी ने इसे जहर दिया यह सब खा गई," बोली, "पिताजी यह मरने वाली थी, क्या हम एक छोटे डिब्बा ले कर इसे कुछ दिनों के लिए रख ले? "

15 मैंने कहा, "जरा मैं उस बिल्ली को देखू।" वे गए और बिल्ली को ले आये। मैंने देखा कि क्या होने जा रहा है, इसलिए उसे एक डिब्बा दे दिया। और अगली सुबह सात आठ बिल्ली के बच्चे वहां थे, आप जानते हैं। इसलिए मेरा छोटा लड़का, जोई ने उनमें से एक को उठाया उसे दबा कर नीचे जमीन पर गिरा दिया; और बस—बस... और वह छोटा वहां आस पास रेंग रहा था, उसे मार डाला।

16 और मेरे भाई लेविल और उसके भाई से कहा, "आप जानते हैं, यह हो सकता है कि वह छोटी बिल्ली का बच्चा जीवित होगा, जैसे की हमने प्रभु को कार्य करते देखा।"

17 भाई लेविल इसमें नये थे पवित्र आत्मा ने उन्हें बताया कि वे विवाहित है, और उसने क्या किया है और बुराई जो उन्होंने की वे बातें जो उन्होंने की है। उन्होंने सोचा कि भाई बैंक ने वे बाते मुझे बताई है। परंतु जो वास्तव में उन्हें बाहर लाया गया और बताया कि पिछली रात्रि उन्होंने लिये बहुत था। वह इसे समझ ना सका।

18 तब, अगली प्रात:... जबकी हमने सारी रात मछली पकड़ी छोटी मछली से हम कुछ चारे के लिए पकड़ रहे थे परंतु उस छोटी मछली को पानी में फेंक दिया ऊपर बेजान हिल रही थी। लगभग आधे घंटे के बाद हम वहां बैठे बैठे हुए थे और मैं... मैंने कहा, "भाई लेविल, आपने मछली को अंदर पेट तक सटक लेने दिया। समझे? " मैंने कहा, "डोर ले कर उस झटका दिया काटा ऐसे बाहर आ गया, जैसे ही उसने इसे पकड़ते तब इसे ले लेते।" मैंने कहा, "वह... इसे ऐसे ना खींचे, सटकने ना दे, आप मछली पकड़ते हैं।"

19 उसने कहा, "भाई... " उसकी बड़ी पुरानी डोर लटक रही है, बोला, "हम इसी प्रकार से करते हैं," ऐसे।

20 इसलिए लगभग उस समय मैंने पहाड़ की चोटी से किसी चीज को आते सुना, एक चक्रवात घूमता–घूमता। और यहां वह इस प्रकार से आया, और परमेश्वर का आत्मा नाव पर आया, "अपने पैरो पर खड़े हो जाओ," कहा, "मरी मछली से कहो, 'मैं तुम्हें तेरा जीवन देता हूं।'"

21 और वह छोटी मछली वह आधे घंटे से पड़ी हुई थी, आंते और गलफड़े इसके मुंह में थे। मैंने कहा, "छोटी मछली, यीशु मसीह तुझे तेरा जीवन वापस देता है। यीशु मसीह के नाम में जीवित रह।" अपने पीठ पर झटकी, और पानी में नीचे सीधी चली गई, जितनी जल्दी वह जा सकती थी।

22 भाई लिवेल, क्या आस–पास है? मैंने आपको बीती रात्रि देखा था, वह अंदर या बाहर है, या वह जहां भी है, अपना हाथ उठाये ताकि मैं आपको देख सकूं। [कोई कहता है, "बालकनी में।"—सम्पा।] क्या कहा? बाल... ओह, हां वहां बालकनी में, खिड़कियों के पीछे, वहां। यह व्यक्ति है, एक यहोवा विटनेस।

23 उसने कहा, "भाई ब्रन्हम!" वह बहुत उत्तेजित हो गया था, उसने कहा, "यहाँ होना तो बहुत ही अच्छा है। है कि नही?" उसने कहा, "क्या—क्या आप, क्या आप सोचते हैं... कि मेरे लिए इसका कुछ अर्थ है जो—जो मैंने उसे छोटी मछली से कहा, 'कि तू अपना अंतिम निवाला खा चुकी'?" कहा, "इसका मेरे लिए कुछ अर्थ है?"

24 मैंने कहा, "नही, नही, बस एक पुष्टीकरण।" वह इस विषय में परेशान था।

25 भई, हमने लंबी यात्रा की और आप इन बातों को घटित होते हुए देखते हैं जानते है... अब जरा सोचिए यह क्या दर्शाने के लिए था? मेरे पास प्रार्थना सूची में बहुत सारे ऐढे मरोड़े बालक है, इसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं, परंतु जब दर्शन आया तो यह एक छोटी इतनी लंबी मछली के लिए आया, दो इंच के लगभग या तीन इंच काटे जितना बड़ी दिखाई पड़ती थी। परंतु यह क्या था, यह आपको दर्शाने के लिए था कि परमेश्वर छोटी चीज को भी देखता है। समझे?

26 एक दिन जब कोढ़ी सारे राष्ट्र में थे उसने अपनी सामर्थ पेड़ को श्रापित करने में लगाया। यह मुझे ने लगा जब की वहाँ लोग आस पास पड़े हुए थे उन्हें चंगाई की सामर्थ की आवश्यकता थी। परंतु आप देखिए वह दर्शाना

चाहता था कि वह हर चीज के ऊपर परमेश्वर चाहे यह छोटी चाहे यह बड़ी है, यह जो भी है वह अब भी सब चीजों के ऊपर परमेश्वर है सारी सृष्टि पर, इसलिए हम उससे प्रेम करते हैं क्योंकि... यह हमें जानने के लिए देता है, यदि वह जीवन का वचन बोलने के लिए रुची लेता है यह मृत पढ़ी हुई, अर्थहीन मछली के लिए जो पानी पर आधे घंटे से पढ़ी थी वह निश्चय ही किसी दिन अपने बालकों के जीवन में बोलेगा। कोई मतलब नही, आपका शरीर चम्मच भर धूल से बढ़ कर नही वह बोलेगा और हम किसी दिन उसको उत्तर देंगे वह परमेश्वर है जो कि हर चीज में रुची रखता है, वह सब जो हम करते हैं सब जो हम कहते हैं हर चीज में, वो रुची रखता है।

अब हर कही, हम अपने सिरों को जो झुकायेगे।

27 इसके पहले की हम प्रार्थना करते हैं, यदि आज रात्रि कोई जो उसमें रुची रखता हो, परंतु अभी तक आपका स्थान उस देश में आरक्षित नही है, जहाँ उसे देखने जा रहे है। आप जानते हैं, आप उस में बिना आरक्षण के नही आ सकते, और आपने अभी तक नही किया है, परंतु अब आप जानते हैं कि आपको प्रार्थना में याद रखा जाये आज रात्रि आपके और परमेश्वर के बीच हर चीज ठीक हो जाए, तो क्या आप अपना हाथ उठाएंगे; आप कहेंगे, "प्रभु मुझे याद रख"? आप... उसे आपका हाथ देखने दे, परमेश्वर, इसे प्रदान करें।

28 स्वर्गीय पिता जैसे की हम आज रात्रि जीवतो और मरे हुओं के बीच में खड़े हैं और यह भेद पूर्ण चीज जो इन दिनों में घटित हो रही है निश्चय ही यह भेद भरी है; परंतु परमेश्वर, आप जानते हैं कि यह सत्य है या नही आप इस पृथ्वी और आकाश के परमपावन न्यायी है। और प्रभु हम यह कहते हैं कि लोगों का साहस बढे (कुछ बातें जो आपने हमें दिखाई है) ताकि वे आप से प्रेम करने को उत्साहित हो और आपका विश्वास करें और आपकी सेवा करें, और यह जान कर कि कोई मतलब नही कार्य कितना छोटा है, अच्छा या बुरा, आप इसे देखते है। प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज रात्रि हर उस हाथ को आशीषित करेंगे और प्राण और आत्मा जिसने हाथ को ऊपर उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। और परमेश्वर में प्रार्थना करता हूं कि आज की रात्रि उस देश में उनका आरक्षण करने वाली होगी नदी के उस पार ऐसे ग्रहण करें।

29 प्रभु बीमारो और अपाहिजो को चंगा करें, दोनों को यहाँ वाले और बाहर राष्ट्र में जहाँ यह फोन प्रसारण के द्वारा है, उन को जो बचे हुए नई आशीषित करें सारी जगह कैलिफोर्निया से न्यूयॉर्क तक, कनाडा से मैक्सिको तक। प्रभु, इसे ग्रहण करें कि हर व्यक्ति आज रात्रि इस आवाज के नीचे अपने पापों से बच जायेगा अपनी बीमारियों से चंगा हो जायेगा आपकी दिव्य उपस्थिति के कारण।

30 और यह हमारा भाई जैक्सन, जो यहां हजारो मील उड़कर यहाँ आये, क्योंकि किसी विचित्र चीज ने इनके ह्रदय में हलचल कर दी; "और वे स्वप्न देखेंगे और दर्शन देखते है।" प्रिय परमेश्वर, आपने इसे मुझ से छिपा रखा है कि इसका क्या अर्थ है मैं नही जानता, परंतु यदि आप आज हमारे पास आएंगे, प्रभु, तो ह्रदयो को इस भेंट के लिए तैयार करें, ताकि हम आशा कर सके या नही जानते हुए कि आप क्या करेंगे और ना जानते हुए यदि आपने हमसे भेंट करने की प्रतिज्ञा की है, इस स्वप्न है द्वारा; हम नही जानते। परंतु हम—हम बस उन बातो का उल्लेख कर रहे है, जो समझते हैं कि आपने अपने लोगों से भेट करने की प्रतिज्ञा की है, और हम यह प्रार्थना करते हैं कि आप स्वयं को यहाँ हम पर प्रकट करेंगे। हम यह यीशु मसीह के नाम में मांगते है। आमीन।

31 अब, आज रात्रि गत रात्रि आपको अधिक रोके रखने के बाद और इस प्रात: मेरा ये एक प्रकार से गला खरखरा रहा है। मेरी एक बालों की विग है, जो मैं अपने *यहाँ* गंजे सिर पर पहनता हूं, जब मैं प्रचार करता हूं। परंतु एक बार मैं भूल गया और यह हवा जो इस खिड़की से आ रही है इसने मेरे गले को खराब करना आरंभ कर दिया है। मैं... मुझे सभा समाप्त करने होती थी, परंतु जब से वह मेरे पास है तब से मुझे परेशानी नही है, मैं बढ़ता रहता हूं मैं इसे भूल गया, और यह... इसे इस प्रकार अनुभव कर सकता, ताकि आपकी प्रार्थनाये सराहिनीय होगी। और अब यह दो समाये प्रति दिन, कि वे... एक प्रकार से लेनी है... आप जानते है जब आपके पास बहुत से मील... आप बता सकते है।

32 इसलिए आप जो लोग कैलिफोर्निया और बाहर एरिजोना में है, हम सब आपको शुभकामनाये भेजते है, इस सारे राष्ट्र में। भाई लियो और झुण्ड जो वहां प्रेसकोट में प्रभु की प्रतीक्षा कर रहे है, अब आमंत्रित है और आप सब जो फिनिक्स के आस–पास है आज रात्रि से एक सप्ताह हमें वहां युमा के

प्रीति भोज में होना है। उन्होंने अपने सारे टिकट बेच दिया है और एक बड़ा समागार लिया और वे लोगों को नही बैठा सकते इसलिए जल्दी आए आप ताकि भीतर आ जाए और फिर वहां से हम लोंस ऐन्जलीस जा रहे हैं, अगले सोमवार... अगले रविवार शनिवार रात्रि। और इसलिए हम आपके वहां पर प्रतीक्षा कर रहे परमेश्वर की महान आशीष आप सब पर हो।

33 आप जो न्यूयॉर्क में है, और आप जो ओहियो के आस–पास है और विभिन्न में, मैं जल्द ही *सर्प के पद चिन्ह* प्रचार करने जा रहा हूं, (पशु आरंभ में और पशु अंत में) अराधनालय में। बिली इसके लिए आपके पास नोट टिप्पणी भेज देंगा कि हम इस पर कब बोलेंगे क्योंकि मैं यह आराधनालय में करता यह कम से कम चार घंटे का होगा या इससे अधिक लंबा।

34 इसलिये अब... इसलिये मैं चाहता हूं कि आप यहां रहे, यहां और आप यहां कहीं भी आप अब है, अय्यूब की पुस्तक निकाले। प्रचार के लिए बहुत ही विचित्र पुस्तक, परंतु मैं बस थोड़े से नोट अब यहाँ प्रयोग करने जा रहा हूं।

35 और फिर, कल प्रात: यहाँ अराधनालय में, यहां सन्डे स्कूल। होगा... हम यहां किस समय आरंभ करते हैं? [एक व्यक्ति कहता है, "साढ़े नौ।"—सम्पा।] साढ़े नौ। और फिर मेरे पास यहां कल फिर से बोलने का सौभाग्य होगा। और प्रभु की इच्छा हुई तो मैं इस विषय पर बोलना चाहता हूं... यदि उसकी इच्छा हुई, अब जैसे कि मैं दोपहर बाद अध्यन कर रहा था, आपको दिखाने के लिए, "केवल एक ही स्थान है जहां परमेश्वर उपासक से मिलेगा।" ओह, केवल... और—और आपको बता सकता हूं कि वह स्थान क्या है, और उस स्थान का क्या नाम है, जहां परमेश्वर उपासक से मिलेगा ।

36 और फिर कल रात्रि में आपका समर्थन चाहता हूं, जो की चंगाई सभा के लिए है। और मैं—मैं पुरानी विधी की चंगाई सभा चाहता हूं। और यदि प्रभु ने चाहा, मैं एक विषय पर बोलना चाहता हूं, जिसने मुझे आज चेतावनी दी, जब मैं और भाई मूर लोग आपस में बात कर रहे थे, मेरा मूल्यवान भाई, हम वचनों पर बात कर रहे थे, और उन भाइयों के साथ होना क्या ही सुंदर है जैसे पुराने समय के। और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आप जानते हैं, सारा प्रचार जो आपने यहां शेवरेपोर्ट में किया, *मेमना और पंडुकी* बहुत ही प्रभावशाली संदेश था, जो आप कभी शेवरेपोर्ट में लाये।" कहा, "मैं

आपके संदेश से समझता हूं कि आज आपके लिए इतने कठोर है, आप कभी भी इस प्रकार का नही लेंगे।"

37 "जब मैं इसमें चूका, मैं अपना संदेश चूक गया।" प्रेम मेरा...

प्रभु मेरा मरता हुआ मेमना तेरा किमती लहू
कभी अपनी सामर्थ ना खोयेगा,
जब तक परमेश्वर की छुडाई हुई कलीसिया
बचा ली गयी, कि फिर पाप ना करें।

जब से विश्वास के द्वारा मैंने वह धारा देखी
तेरे बहते हुए घाव दे रहे हैं,
छुड़ाने वाला प्रभु प्रेम मेरा विषय रहा
और जब तक मैं मरूंगा रहेगा।

38 आने वाले रात्रि यदि प्रभु की इच्छा हुई, मैं एक विषय पर प्रचार करना चाहता हूं "*सफेद पंडुकी के पंखो पर*" कल रात्रि, "प्रभु पंडुकी के पंखों पर नीचे आ रहा है," यदि प्रभु ने चाहा मेरी आवाज बहुत खराब ना होगी। इसलिए... अब, हमारे लिए प्रार्थना करें।

39 और मैं पुराने तरीके की प्रार्थना सभा चाहता हूं, जैसे हमारी आरंभ थी, कोई विचारों का परखना नही बस साधारणता में हर एक को प्रार्थना पत्र दे दो जो प्रार्थना करवाना चाहता है। अब आपके पास एक कार्ड होना चाहिए इसलिए यहाँ जल्दी आये बिली आपको कार्ड दे सकता है और लाईन में रखें। यदि आप ऐसा नही करते लोग दोबारा दोबारा करने लगते हैं, और फिर दोबारा और फिर दोबारा और पंक्ति का अंत नही होता कोई भी कार्ड ले सकता है। मैं चाहता हूं कि भाई जैक प्रार्थना पंक्ति में मेरे साथ खड़े हो जैसा आप करते थे और बिली पॉल की जगह भाई ब्राऊन लोगों को मेरे पास लाये। मैं—मैं—मैं—मैं चाहता हूं मैं पुराने रीति की प्रार्थना पंक्ति चाहता हूं, और हम वैसे ही प्रार्थना करेंगे, जैसे हम वर्षों पहले किया करते थे।

40 आज रात्रि मैं प्रसन्न हूं कि एक और हमारा साथी भाई हमारे साथ है, थोड़ा सा चारों ओर देखा और फिर पहचाना और कुछ पहले मिनटों पहले उसे देखा भाई गोर्डन लिंडसे यह पुराने वालो में से एक है, बहुत पहले से हमारे साथ है। एक महान कार्य कर रहा है, छपाई का, अब वह मेरी

पुस्तकें छाप रहा है *सात कलीसियायी काल* हम आशा करते हैं कि फिर से तैयार है, *सात मोहरे*। यदि ऐसा हो कि वह इसे छापने से पहले पढ़ लें, हम धार्मिक विज्ञान का प्रचार करने जा रहे हैं, मैं अनुभव कर सकता हूं कि यह आ रहा है, परंतु वह जानता है कि मैं कोई धर्म ज्ञानी नही हूं... परंतु हम कल आने वाली रात्रि के प्रतीक्षा कर रहे है, भाई लिंडसे यदि आप यहां अंदर है कल रात्रि यहां रहे यदि आप आस पास रुकते हैं तो हमारे साथ मंच पर रहे पुरानी रीति की प्रार्थना सभा।

41 कितने फिर से उन पुराने लोगों को देखना चाहते है, जहां हम लोगों को ऊपर लाते थे? यह अच्छा रहेगा। अब अपने बीमारों को ले कर आए और अपाहिजों को कल रात्रि तो इस उद्देश्य के लिए।

42 अब यदि आपके पास अय्यूब की पुस्तक है. 42 वां पद... याने अध्याय 42 वे अध्याय का छठा पद अय्यूब का; बहुत ही विचित्र। भाई टेड ढूडली यदि आप आज रात्रि सुन रहे है, फिनिक्स में, आपको याद है कि मैं और आप बात कर रहे थे एक बार लगभग एक या दो सप्ताह पहले, हमने इसका उल्लेख किया था? मैंने आपको बताया, "किसी दिन यह मेरा मूल पाठ होगा।" और आज रात्रि मैं इसको प्रयोग करना चाहता हूं।

तब उत्तर दिया...

अय्यूब ने यहोवा को उत्तर दिया,

अब इस पढ़े जाने को ध्यान से सुने।

मैं जानता हूं, तू सब कुछ कर सकता है, और तेरी युक्तियां मैं कोई रुक नही सकती।

तू कौन है, जो ज्ञान रहित हो कर युक्ति पर पर्दा डालता है? परंतु मैंने तो जो नही समझता था वही कहा; अर्थात जो बातें मेरे लिए अधिक कठिन है और मेरी समझ से बाहर थी, जिनको मैं जानता भी ना था।

मैं निवेदन करता हूं सुन, मैं कुछ कहूंगा: मैं तूझ से प्रश्न करता हूं, तो मुझे बता दे।

मैंने कानों से तेरा सुसमाचार सुना था: परंतु अब मेरी आंखें तुझे देखती है।

और मैं धूली और राख में पश्चाताप करता हूं।

43 अब, मैं पांचवे पद से मूल पाठ लेना चाहता हूं।

मैंने कानों से तेरा समाचार सुना था: परंतु अब मेरी आंखें तुझे देखती है।

प्रभु अपने वचन पर आशीष दे।

44 अय्यूब, हम थोड़ा सा उसके जीवन को ले अय्यूब भविष्यवक्ता था यह वह व्यक्ति था, जो बाईबल के लिखे जाने से पहले था। यह सोचा गया है कि अय्यूब बाईबल की एक सब से पुरानी पुस्तक है, क्योंकि यह उत्पत्ति की पुस्तक लिखी गई उस से पहले लिखी गयी। अय्यूब, यह महान योद्धा और भविष्यवक्ता अपने समय में एक—एक शक्तिशाली मनुष्य था। कोई संदेह नही कि उसका पालन पोषण हुआ और उसने अपने सारे जीवन प्रभु के सेवकाई करी। और उसने लोगों के लिए शानदार जीवन जीया, कि सब ने उसका सम्मान किया था।

45 परंतु वह एक ऐसे स्थान पर आ गया था जहां वह इसे प्रभु के द्वारा *जांचा* जाना कहता है। परंतु मैं यह करना चाहूंगा, "परखा जाना" प्रभु के द्वारा। और सच में, "हर पुत्र जो परमेश्वर के पास आता है उसे पहले परखा जाना ही चाहिए, जांचा गया, प्रशिक्षित बालक।" और यदि फिर परीक्षा कठिन हो और हम सोचते हैं कि परीक्षा बहुत कठिन है और नही सुनेंगे (ध्यान दें) तो उसने कहा हम "अवैध बालक हो जाते हैं, परमेश्वर के बालक नही।" क्योंकि वास्तविक नया जन्म प्राप्त बालक को अपने अभिभावक से कोई नही हिला सकता, देखिए वह उसका भाग है। आप इसका इंकार नही कर सकते, आप अपना इंकार कर रहे हैं। देखिए, आपके पास अनुभव है आप प्रशिक्षित और परखे गए हैं।

46 और अब, यह व्यक्ति भविष्यवक्ता होने के नाते इसकी पहुंच परमेश्वर के अनुग्रह तक होनी थी, परंतु अय्यूब के पास पढ़ने को बाईबल नही थी। तब बाइबल लिखी नही गई थी, परंतु प्रकाशन के द्वारा और दर्शन के द्वारा उसकी पहूँच परमेश्वर तक थी। यह बाईबल लिखे जाने के पहले था।

47 अब हम पाते है, और उसके जीवन को लेते है, जब परमेश्वर ने उसे आशीष दी और उसे महान पुरुष बनाया। क्यों, हर एक ने उसका आदर किया, उसकी बुद्धि का भी, और इतना महान हो गया था। उसकी प्रेरणा परमेश्वर से थी और प्रमाणित हो गया था कि यह परमेश्वर का दास है,

इतना स्पष्ट कि यहां तक कि लोग हर जगह से उसके सुनने आते थे। और फिर शैतान ने उस पुरुष पर दोष लगाना आरंभ कर दिया और इस प्रकार परमेश्वर के हर प्रेरणा प्राप्त दास के साथ वह करता है, शैतान सदा वह उस पर दोष लगाने को और हर चीज जो वह करता है, जो ठीक नही।

48 और अब हम पाते है उसका जीवन और परीक्षाये और उसका महान विश्वास। यहां तक कि यीशु जब वह पृथ्वी पर आया, उसने अय्यूब के धर्य का उल्लेख किया। उसने कहा, "क्या तुमने अय्यूब के धर्य के विषय में नही पढ़ा? " विश्वास धर्य से प्रतीक्षा करता है ताकि प्रतिज्ञा का वचन पूरा हो।

49 अब, हम ध्यान देते हैं जहां वह अय्यूब, उसके परीक्षाओ से निकल जाने के पश्चात उसकी सारी पीढाये... उसका सुंदर परिवार था, वे उससे ले लिये गये। उसका स्वास्थ अच्छा था, वह उससे ले लिया गया। हर चीज जो उसके इस जीवन में थी ले ली गई थी और वह राख के ढेर पर बैठा था और ठीकरे से अपने छाले खुजाता, यहाँ तक कि उसकी अपनी पत्नी उसके विरुद्ध बोली, उसने कहा, "क्यों नही परमेश्वर को कोस कर मर जाता? "

50 उसने कहा, "तू मूर्ख स्त्री के समान बोलती है।" उसने कहा, "प्रभु ने दिया और प्रभु ने ले लिया, प्रभु का नाम धन्य हो!"

51 अब, शैतान परमेश्वर के सामने आया, क्योंकि वह परमेश्वर के सन्मुख आ सकता है और मसीहों पर दोष लगाया (या एक विश्वासी पर) सारे समय। इसलिए उसने अय्यूब पर बहुत सी चीजों के लिए दोष लगाया, और कहा कि, "अय्यूब जिस कारण से वह परमेश्वर की सेवा कर सकता है, क्योंकि उसके लिए हर चीज अच्छी ही आ रही है।" परंतु कहा, "यदि तू उसे मुझे दे दे, मेरे हाथों में, तो मैं तेरे सामने तुझे बुरा कहलवा दुंगा।"

52 मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दे कि वह भरोसा जो परमेश्वर का विश्वास ही में था। समझे? ... दूसरे शब्दों में, परमेश्वर ने अय्यूब से कहा... या शैतान से कहा, इस प्रकार से, "तू यह नही कर सकता! वह एक धर्मी जन है, वह भला मनुष्य है, उसके समान पूरी पृथ्वी पर कोई नही।" ओह क्या ही पुरुष है; कि परमेश्वर ने स्वयं ही अपने शत्रुओं से कहा, "मेरा दास इतना सिद्ध है, पृथ्वी पर उसके समान कोई और मनुष्य नही।" ओह! यदि हम इस प्रकार के हो! कि परमेश्वर हम पर इतना भरोसा कर सके! ये जानता

है कि हम उसके वचन से नही मुड़ेंगे! या उस से किसी भी प्रकार ठीक नही टिकेगे, और वह हम पर भरोसा कर सकता है।

53 अब, अय्यूब वह मनुष्य था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं को ठीक अक्षर–अक्षर पालन करता। और शैतान यह जानता था, परंतु उसने कहा, "यदि तू जरा उससे मुझे दे दे, तो मैं तेरे सामने तुझे बुरा कहलवा दूंगा।"

54 इसलिए परमेश्वर ने उससे कहा, "अब वह तेरे हाथों में परंतु उसका जीवन ना लेना।" और शैतान ने जहां तक हो सकता था वह इस पर था उसने सारे मित्र ले लिए, और हर चीज जो उसके पास था लगभग उसका सारा जीवन, परंतु वह उसका जीवन ना ले सका, परंतु अय्यूब अब भी पकड़े हुए था, कही पीछे मुडना नही था।

55 अब देखिए, जब एक मनुष्य या व्यक्ति एक बार वास्तव में परमेश्वर के संपर्क में उस वास्तविक प्रकाशित विश्वास के द्वारा आता है, "परमेश्वर है!" तो फिर कुछ भी नही, कोई समय नही कहीं नही उसे उसके परमेश्वर से अलग नही कर सकता। मैं विश्वास करता हूं, पौलूस ने कहा, "ना कोई कलह, ना कोई भूख, ना कोई संकट, ना कोई जीवन, या मृत्यु, या कोई और चीज हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग नही कर सकता जो यीशु मसीह में है।" तुम निश्चय ही उसमें लंगर डाले हुए हो, क्योंकि तुम जीवन के लिए ठहराये गए हो।

56 परंतु शैतान ने सोचा वह इसे थोड़ा सा घूमा सकता है और उसे बांध सकता है और यह करवा सकता है। परंतु, आप देखिए अय्यूब अपने सिद्ध प्रकाशन के साथ जो परमेश्वर में था, और परमेश्वर कौन था, और परमेश्वर ने उससे कैसा प्रेम किया उसने प्रतीक्षा की! कोई मतलब नही क्या हालात थे, उसने अपने विश्वास की पुष्टि के लिए प्रतीक्षा की क्योंकि उसकी पकड़ परमेश्वर में थी, एक प्रकाशन जिस पर मैं पिछले रात्रि बोला।

57 अब, जब इस भवन में बीमार लोग, अपाहिज लोग, या आप जिन्हें परमेश्वर की आवश्यकता है जब आपको उस प्रकार का प्रकाशन मिलता है कि "न्यायोचित है," जब आप वास्तव में न्यायोचित हो गए उन चीजों के मांगने में जिन्हें आप मांग रहे है, और यह विश्वास करते हैं, "वह उनको प्रतिफल देता है, जो धेर्य के साथ उसकी खोज करते हैं।" कोई ऐसी पीड़ा नही है, जो कभी आपको उस विश्वास से अलग कर सके, जो तुम में लंगर डाले हुए है। समझे? परंतु पहले यह आप पर प्रकट होना चाहिए।

58 अधिक समय नही हुआ, कोई आया, एक लोगों का झुंड, उनमें से कुछ आज रात सुन रहे हैं और मुझे बताया कहा... मैं उन्हें बता रहा था, "केंटकी जाये, वहाँ नीचे तेल है।" मुझे मालूम था कि यह है, मैंने यह दर्शन में देखा।

59 ठीक है, भाई देमास और वे अधिक समय के लिए नही गए। थोड़ी देर बाद, अंत में, उन्होंने कहा... टेक्सास के अंदर आ जाने के बाद। और उन्होंने कहा, "अब हम नीचे जा रहे हैं।"

60 मैंने कहा, "आपको बहुत पहले चले जाना चाहिए था।" परंतु उन्होंने ये नही किया।

61 देमास ने कहा, "ऐसा ना करने के द्वारा, इसमें मैंने बड़ी गलती की, भाई ब्रन्हम।"

62 मैंने कहा, "यदि आप चले गए होते, तो आप सब को पा लेते।"

63 भई, वे इसे नही सुनेंगे। तब पहले... तब उस रात को हम चले गए... वह स्थान जहां हमने दोपहर खाना खा रहे थे। पवित्र आत्मा ने मुझे जमीन में एक बडी दरार दिखाई और उसमें पूरा देश भरा हुआ था, और यह केंटकी में बह रहा था तेल का छोटा भंडार जिसमें से वे निकाल रहे थे, परंतु यह एक मनुष्य धारा से आ रहा था। और मैंने कहा, "भाई देमास, यह वहां पर है।"

64 इसलिए वे उसे ढूंढने निकले। कहा, "नीचे जाओ और हमें बताओ कि तेल का कुआं कहां पर है।"

65 मैंने कहा, "ओह नही! नही! नही!"

66 हम परमेश्वर के वरदान को व्यापार के लिए उपयोग नही करते। नही! नही! वह मुझे बता सकता था कि यह खबर है यह परंतु मुझे इसकी आवश्यकता नही थी। यहां तक कि मुझे पर्याप्त विश्वास भी नही था कि उससे पूछु। समझे? यदि मुझे इसकी आवश्यकता थी, मैं विश्वास करता हूं यदि मैं उससे पूछता तो मुझे बताता। परंतु पहले, आप देखिए, आपका उद्देश्य और विषय ठीक होना चाहिये। इसके लिए आपके पास कारण होना चाहिए परमेश्वर आपको वे चीजें नही देता बस, वह जो आपने मांगी है और आप विश्वास में मांग नही सकते जब तक कि कोई वास्तविक उद्देश्य ना हो, परमेश्वर की इच्छा में ना हो। देखिए, यदि आप चंगे होना चाहते

हैं, आप किसलिए चंगे होना चाहते है? देखिए, यदि आप चंगे होना चाहते है, तो क्या कारण है कि आप चंगे होना चाहते है? आप परमेश्वर को क्या बता रहे है? आप क्या करना चाहते हैं, अपने जीवन में से जब आप अच्छे हो जाते है? देखिये, आपका कोई उद्देश्य होना चाहिए और विषय और इसे परमेश्वर की इच्छा अनुसार सही होना चाहिए। और तब जब आप पर विश्वास प्रकट हो, और परमेश्वर अपनी इच्छा अनुसार विश्वास आपके अंदर डाले तो यह हो गया। समझे? अब देखिए?

67 अब, वचन को सच्चा ठहराने को जब भाई वहां गए, उन्होंने पाया एक व्यक्ति वहां गया और चीजों का ढेर खरीदा और पट्टे बेचे और दूसरे को इधर से धोखा दिया, मैंने कहा, "आप देखिये यह काम नही करेंगे।" अब *भविष्यवाणी* को निश्चित करने के लिए सौ गज के अंदर जहाँ यह व्यक्ति अपना कुंआ खोद रहे थे, किसी व्यक्ति को दबाव से निकलता हुआ मिला और यह वहां पर था, आधे दिन ग्यारह बैरल या ऐसे ही कुछ; अब भी निकाल रहा है, ठीक उस बड़ी धार में, परंतु भविष्यवाणी करने के लिए, वह वचन जो कहा गया कि यह वहां पर है यह वहां था और बाकी सब लगभग सूख गए केंटकी में सब जगह, छोटे–छोटे गड्ढे उन्होंने थोड़े समय तक निकाला और वे गए केवल *इसी* में ही उमड़ रहा था। समझे?

68 परंतु, क्योंकि उनके मध्य में स्वार्थ था विषय गलत था बहुत सी चीजों पर हस्ताक्षर करवाये "यह *इस* प्रकार से होगा," जब उन्होंने प्रतिज्ञा की वे इसे परमेश्वर के राज्य के लिए करेंगे, परंतु प्रत्येक हुआ यह अच्छी उन्हीं के लिए है। समझे?

69 और यह कार्य नही करेंगे, कोई स्वार्थ की बात काम ना करेंगी। आपके उद्देश्य और विषय ठीक सही होने चाहिए, तब आप में विश्वास है। कि "आप मांगे यदि हमारा हृदय हमें दोषी ना ठहराये।" समझे? देखिए, हम में विश्वास होना ही चाहिए। "मैं सोचता हूं कि इसका सम्मान हो और परमेश्वर की महिमा हो।" तब विश्वास का एक—एक पथ है कि उसमें आगे बढ़े; यदि यह नही है, तो आपको दिमागी बुद्धिवाला विश्वास है और असली विश्वास परमेश्वर की ओर से नही। बुद्धि वाला विश्वास आपको कहीं नही ले जाएगा। आपको भावुक बना देगा, परंतु यह उस चंगाई को नही लेगा जिसकी आप प्रतीक्षा कर रहे है।

70 इसलिए, अय्यूब को शुद्ध विश्वास से जांचता है, जो परमेश्वर ने उसे दिया कि वह "धर्मी," है कि उसने वह चीज की है, जो परमेश्वर उससे चाहता है कि करे। अब हम जब अपनी बीमारियों के लिए प्रार्थना करने जा रहे है, मैं उत्सुक हूं यदि हमने वह सब कर लिया है, जो परमेश्वर चाहता है कि हम करें। क्या हमने वचन का हर बिन्दू पूरा किया है? क्या हमने अपने ह्रदय और जीवन सेवा के लिए दे दिए? क्या कारण है कि हम चंगे होना चाहते हैं? किसी प्रकार से आप पर्याप्त विश्वास पा सकते है, देखिए, क्योंकि हो सकता है यह बात आपने अपने ह्रदय की सच्चाई ना की हो। जैसे हिजिकियाह ने किया परमेश्वर को कारण बताये वह अपने राज्य को व्यवस्थित करना चाहता है। और परमेश्वर ने अपना भविष्यवक्ता वापस भेजा, और उसे बताया और वह चंगा हो जायेगा। समझे? परंतु आपको वे बातें पहले ठीक करनी है।

71 इसलिये तब जब आप इन स्थानों में आते है और जानते है कि यह आपको परमेश्वर के वचन के द्वारा प्रकाश से प्रगट हुई है, उस वचन के द्वारा, जो परमेश्वर आप से चाहता है कि करें, तब आपके पास विश्वास है, वास्तविक विश्वास।

72 अब, जैसे कि अब्राहम जब वह निन्यानवे वर्ष का था, मैं विश्वास करता हूं, उत्पति 17। परमेश्वर इस बूढ़े पुरुष पर प्रकट हुआ अब निन्यानवे वर्ष का, जब लगभग सौ वर्ष का था और इन सारे वर्षों में परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर प्रतीक्षा कर रहा था। वह उस पर *एल–शदाई* नाम से प्रकट हुआ, "नारी सी छाती वाला।" और यह क्या हिम्मत देने वाला था, तब उस समय भी प्रतिज्ञा पूरी नही हुई थी। परंतु "अब्राहम में सर्वशक्तिमान परमेश्वर, *एल–शदाई*, 'शक्ति देने वाला, नारी सी छाती वाला परमेश्वर।'"

73 जैसे मैंने आपको पहले बताया जैसे कि छोटा बालक, जिद कर रहा है, और बीमार है, और रो रहा है, और अपनी मां की छाती से लगा हुआ है। और अपनी सामर्थ को मां से पा रहा है, क्योंकि ये संतुष्ट हुआ जब की दूध पी रहा है क्योंकि इसकी केवल यही पहुंच है जो मां के दूध पर पहुंचना, जानता है यह दवाई की खुराक नही जानता। आप उसे दवाई की खुराक दे सकते हैं वह चिल्लायेगा, और रोयेगा उसके हाथ में सुई लगाते है, और वह आगे बढ़ता जाता है परंतु संतुष्टि के लिए केवल एक ही पहुंच है वह उसकी मां की छाती।

74 और उसने कहा, "अब्राहम तू बड़ा है, तेरी सामर्थ समाप्त हो गयी है, तेरे हाथों में झुर्री हो गयी, तेरा पुरुषत्व समाप्त हो गया, परंतु मैं तेरी मां हूं। बस मेरी प्रतिज्ञा को थामे रह और जब की तू प्रतिज्ञा कर रहा है, और संतुष्ट हो जा!"

75 अब, विश्वासी का यही मार्ग है, कोई मतलब नही खराब आपको कैंसर है, आप कितने समय से पहिये वाली कुर्सी पर है इन में से कोई भी चीज केवल यदि आप परमेश्वर की ओर से मिले प्रकाशन को पकड़ सके! तो फिर संतुष्ट रह, यह जानते हुये कि यह घटित होने जा रहा है क्योंकि विश्वास धेर्य से प्रतिज्ञा की प्रतिज्ञा करता है। समझे?

76 अय्यूब जानता था कि वह ठीक था। जब हम यहां वचन में पाते है कि वहां था... ये लोग उसके पास आये; उसकी कलीसिया के सदस्य। हर चीज जो एक समय उसे प्रिय लगती थी उसके विरुद्ध हो गयी, और गुप्त पापी होने का दोष लगाने लगे क्योंकि उसके साथ ये सारी चीजें घटित हुयी। तुम लोग सुनो अब भी आज लोग कहते है, "मैंने आपको बताया, उसे देखो आप देखिये क्या... ?" कुल मिलाकर यह सत्य नही है कभी–कभी यह परमेश्वर अपने लोगों को परखता है, इस मामले में परमेश्वर अय्यूब को जांच रहा है, उस समय पर पृथ्वी पर सब से अच्छा व्यक्ति। अब, वह उसे पकड़े हुये था, क्योंकि वह जानता था अय्यूब एक भविष्यवक्ता था, जिसे परमेश्वर की ओर से दर्शन मिलते थे, इसके ठीक वही किया जो परमेश्वर ने उसे करने के लिये बताया और वह... परमेश्वर बाध्य था कि अपने प्रतिज्ञा को उसके लिए बनाये रखें।

77 ओह! सारे मसीही लोगों को यह होना है। जब जीवन का अंतिम संग्राम आता है, और मृत्यु हमारे गले में टर–टराती है, हमें तभी भी पकड़े रहना है और स्मरण रखना है कि परमेश्वर ने कहा, कि "मैं तुझे अंतिम दिन जिला उठूंगा।" समझे? पकड़े रहना है, वह हमारी गवाही, हमारा स्थान हमारी स्थिती मसीही में है, हम जो है यह जानते हुये हमने उसकी हर आज्ञा का पालन किया है। "धन्य है, वे जो उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, ताकि उनके पास प्रवेश करने का अधिकार हो।" समझे? और जब हम जानते है कि कोई मतलब नही कि किसने क्या कहा है, हमने हर आज्ञा का पालन किया है, जो हम बाईबल में देखते है, जो परमेश्वर ने हमारे लिए किया है...

करने को बताया, शुद्ध और प्रेम के साथ और रचियेता का आदर जिसने बाईबल लिखी।

78 हम कहते हैं, "मनुष्य ने इसे लिखा है।"

79 "पूर्वजों ने पवित्र आत्मा के द्वारा इसे लिखा।" समझे? देखिए, परमेश्वर ने इसे मनुष्य के द्वारा लिखा, जैसे भविष्यवक्ता उसका वचन बोलता यह भविष्यवक्ता का वचन नही, यह परमेश्वर का वचन है, देखिये, भविष्यवक्ता के द्वारा। यही कारण है कि इसे घटित होना ही है, यदि यह वास्तव में सत्य है।

80 अब, हम इस महान मनुष्य को देखते है। और स्मरण रखें, अय्यूब के पास बाईबल नही थी कि वह अपने समय में पड़े नही! वह केवल प्रेरणा के द्वारा चला वह भविष्यवक्ता था, जिसके पास प्रभु का वचन आता था। उसे—उसे तो केवल प्रेरित होना था, क्योंकि वह अपना स्थान जानता था कि वह परमेश्वर का नबी है। अब, केवल एक ही चीज जो प्रेरणा के लिए उस पर प्रहार हुआ। और फिर वह जानता था जो उसने कहा घटित होगा, क्योंकि यह प्रेरणा के द्वारा था।

81 यही जो कलीसिया यदि यह व्यवस्था (व्यवस्थित है) यह केवल... इसकी यांत्रिकी तैयार है तो इसे केवल गतिकी की आवश्यकता है। आज रात्रि, यदि हमारी यांत्रिकी तैयार है, अपने ह्रदय सही कर ले वह चीजे जो हम कर सकते है, हर वचन का अनुकरण बपतिस्मे में अनुकरण हर व्यवस्था में उसका अनुकरण जो उसने हम से करने को कहा हर यांत्रिकी को तैयार और खड़े है तो हम गतिकी के लिए तैयार है कि चल पड़े और केवल परमेश्वर ही इसे कर सकता है और आपके ह्रदय में वह विश्वास डालने के लिए जो कहता है, "अब मैं चंगा हो गया।" तो फिर परिस्थिति क्या है, इस से कोई अंतर नही पड़ता जो भी है, आप चंगे हो गये; क्योंकि यह विश्वास है, विश्वास के द्वारा आप चंगे हुये।

82 उसके पास परमेश्वर से संबंध बनाने के लिये मार्ग था, जो उसे प्रेरणा के द्वारा मिला उसके पास मार्ग था कि स्वयं को बाहर कर दें और परमेश्वर को भीतर आने दे और वह जानता था कि न्यायोचित ठहर चुका है। यह एक वरदान है, ये वरदान था लोगों के लिये; अय्यूब के लिये नही, परंतु लोगों के लिये। यही जो सारे दिव्य वरदान है, कि परमेश्वर के लोगों की सेवा की जाये, हर किसी के लिये भविष्यवक्ता की व्यवस्था नही है आप

सब नही... ऐसे नही हैं कि बीमारो के लिये प्रार्थना करे, हर कोई पास्टर बनने कि व्यवस्था में नही है और आदि –आदि परंतु यह एक मार्ग है जो परमेश्वर ने उसके लिये खोला है। और यहां तक कि जैसे इस प्रात: के पाठ में था कि वह... एक व्यक्ति का कोई मतलब नही दूसरे मनुष्य के मार्ग में को विचिलित करे, कोई मतलब नही कैसे प्रेरित हुआ कितना भी कुछ लगे, कितना अच्छा... कितने आज प्रात: सभा में थे? आपके हाथ देखूं। समझे? देखिये, आप नही कर सकते।

83 वहाँ दाऊद जितना प्रेरणा में हो सकता था सारे लोग चिल्ला और प्रभु की महिमा कर रहे थे, कारण कि वह वचन के अनुसार प्रतित हो रहा था, परंतु वह गलती पर था। वह प्रेरणा नातान के पास आनी चाहिये थी ना कि दाऊद के पास। देखिये, उसने यहाँ तक कि नातान से परामर्श भी नही ली। आप देखिये क्या घटित हुआ? देखिये, हम... परमेश्वर ने कहा वह, "तब तक कुछ नही करता, जब तक कि वह अपने दास भविष्यवक्ताओं पर प्रकट ना कर दे।"

84 इस दिन में अय्यूब उसका भविष्यवक्ता था। अब, केवल एक ही चीज परमेश्वर ने अय्यूब के साथ की थी: जो उसको सदा उसके बुद्धि और अपना वचन देता था और प्रेरणा, वह प्रेरणा नही पा सकता था। परंतु वह उसकी सारी यांत्रिकी जानता था (उसने उसे होमबली चढ़ाया उसने सब कुछ किया, जो करने के लिये ठीक था) परंतु वह परमेश्वर के वचन ना पा सका। परंतु शैतान उसे हिला ना सका! आप उसी स्थिति में है।

85 अब, आप वही है जब आपके लिए प्रार्थना हो जाती है। आपको वापस पंक्ति में नही भागना पड़ता या जाकर अपने लिये किसी और से प्रार्थना कराये। जब आप जानते है कि आपने ठीक वही किया है, जो परमेश्वर ने आप से कहने के लिये कहा, फिर अपने लिये कुछ प्रेरणा के मार्ग खुलने की प्रतीक्षा करें, और, "अब मैं चंगा हो गया!" जब यह वहां आता है तो यह हो गया। ओह, आपको प्रार्थना पक्तियों की आवश्यकता नही, कुछ नही, यह हो गया! यह आप पर प्रगट हो गया! समझे?

86 जैसे कि पुराने भविष्यवक्ता प्रभु यीशु के आने पर, हम पाते है यह उन पर प्रकट हुआ था, पुराने भक्तगण कि "वह मृत्यु को ना देखेगा, जब तक वह प्रभु के मसीह को न देख ले।" और उसने इसका विश्वास किया, और उसने इसके लिये प्रतीक्षा की और लोगों ने सोचा कि वह पागल था, बुढ़े

मनुष्य की बुद्धि खराब हो गयी, परन्तु उसने फिर भी इसका विश्वास किया! इस पर से कोई नही हिला सका, वह जानता था कि यह बात परमेश्वर ने उस पर प्रकट की है, क्योंकि बाईबल ने कहा, "यह उस पर पवित्र आत्मा के द्वारा प्रकट किया गया था।"

87 शिमोन उसी घड़ी मंदिर में आ रहा था, जाकर और परमेश्वर की महिमा की और कहा, "अपने दास को शांति से जाने दे।" जब उसने बालक को उठाया, "मेरी आंखों ने तेरे उद्धार को देख लिया।" देखिये, वह जानता था कि यह देखने जा रहा है। इससे कोई मतलब नही, वह प्रतिदिन कितने बालकों को देखता था, वह जान गया था कि परमेश्वर ने उस पर प्रकट कर दिया है कि वह मृत्यु से पहले मसीह को देखेंगे। शिमौन ने इसका विश्वास किया।

88 अब, जब यह *आप* पर प्रगट हो गया कि आपने स्वयं ही परमेश्वर की प्रतिज्ञा को ग्रहण किया है, वह प्रेरणा, एक मसीही होने के नाते, इसने आपके ऊपर प्रभाव डाला, आपको प्रार्थना पंक्ति की आवश्यकता भी नही। केवल... केवल एक बात की आपको आवश्यकता है, कि आप अपना ह्रदय खोले जब कि सारी यांत्रिकी तैयार है और प्रेरणा को अंदर आने दे, तब अपके विचार को कोई नही बदल सकता; ये आपको मिल गया इसे छोड़, और भला नही होगा

89 अब ध्यान दे, अय्यूब को प्रेरणा के मार्ग की आवश्यकता थी। उसने यह खोल दिया था उसके पास एक परमेश्वर से संबंध रखने की प्रणाली थी, अपने प्रेरणा के द्वारा। उसके पास विधि थी कि स्वयं को बाहर कर दें और परमेश्वर के वचन को भीतर आने दे। ध्यान दें कि वे कैसे—कैसे वे उससे पर परामर्श करने पूर्व और पश्चिम से आते, लोग उसे ढूंढते, क्योंकि वे जानते थे कि जो अय्यूब ने कहा वह सत्य था। वे जानते थे कि इस मनुष्य ने सत्य बताया था। क्योंकि जो उसने भविष्यवाणी की, वही घटित हुआ! और इसलिये लोग पूर्व और पश्चिम से आते थे।

90 उसने कहा वह बाजार में जायेगा और युवा राजकुमार पूर्व से उसके सामने सिर झुकायेगे, केवल उससे शांति का एक वचन सुनने के लिए उसकी महान और सामर्थ बुद्धि क्योंकि वे जानते थे कि यह मनुष्य ईमानदार था। उसने स्वयं में कभी डिंग ना मारना चाही, उसके पास धार लगाने को कुल्हाडी ना थी, खीचने के लिये कोई घागा नही, वह तो केवल परमेश्वर

के सम्मुख ईमानदार भविष्यवक्ता था। और उन्हें उस पर विश्वास था, और हर कोई पूर्व और पश्चिम से आया कि उस से एक घड़ी बात करे। उसने यहाँ बाईबल के विषय में बात की। परंतु आप देखिये, उसके पास प्रेरणा की घटी थी कि उसे बताये कि यह सब किस विषय में है। परमेश्वर ने यह होने दिया, उसे नहीं बताया।

91 तब, एक दिन, हम पाते है कि उसमें, वह वह समय था कि... हर कोई, जब तक आप उनकी सहायता कर सकते है "ठीक है।" परंतु जब वे आप से असहमत होना चाहते है, यह जब संकट आता है। परंतु वही अकेला जानता था कि वह सही है; उसके विश्वास की धड़कन परमेश्वर का वचन सुने कि उससे बोला, वह जानता था कि यह सत्य था। जी हां, श्रीमान! वह परमेश्वर की आवाज को जानता था। इस पर उसे कोई मुर्ख नही बना सकता था, क्योंकि वह यह जानता था। ये... परंतु जब कभी आप... आप पर कुछ प्रगट हुआ, संभव है जो लोग सोचते है वह उससे मित्र... अब मैं भविष्यवक्ताओं कि लीक पर बोल रहा हूं। जब यह परमेश्वर कुछ प्रकट करता है, जो कि यदि कभी कोई भेद परमेश्वर के पास लोगों को बताने के लिये आता है यह कभी भी धर्म विद्यालय से कहीं नही आयेगा या कभी लोगों के झुंड से होता हुआ नही आयेगा, यह कभी नही हुआ। यह हमेशा होगा, और एक व्यक्तिगत भविष्यवक्ता के द्वारा ही आयेगा! आमोस 3:7 देखिये, "प्रभु कुछ नही करता, जब तक पहले अपने भविष्यवक्ताओं पर प्रकट ना कर दे।"

92 और आप अय्यूब के साथ कुछ गड़बड़ था, परंतु वह इस पर प्रेरणा ना पा सका, और इसकी चिंता हो रही थी और जब... आप इस प्रकार फंस जाते है यही जब शैतान हर मित्र में आता है, लगभग आपको पकड़ने को। और वे उस पर दोष लगाने लगे। ओह, यह उसके लिये दयनीय स्थिति होनी ही थी कि मित्रों को जाने जिन्होंने उस पर दोष लगाया तब शैतान जाता और स्वयं को शत्रू के साथ मिला लेता है, यही जब शैतान भीतर आता है, "मैं उसे पकडू और उससे तेरे मुख पर बुरा कहलवाऊंगा... मैं उसके संदेश को इंकार करवाऊंगा। मैं उससे श्राप दिलवाऊँगा, मैं उसे ऐसा कर दुंगा कि पलट कर कहे कि 'यह सब गलत था।'" तब उसने उसे हर चीज से परखा जो कर सका, सारे महान मनुष्य और मित्र जो उसके साथ

बातें करते थे। परंतु अय्यूब स्थिर खड़ा रहा, क्योंकि वह जानता था कि उसने परमेश्वर की आवाज सुनी है!

93 ओह परमेश्वर, कल रात्रि सहायता करना, ताकि मैं *सफेद पंडुकी के पंखों पर* ले सकूं। मैंने परमेश्वर कि आवाज सुनी है, जिसने कुछ कहा है और यह उसी प्रकार घटित होने जा रहा है! ठीक वैसे ही जैसे दूसरी बातें घटित हुयी, यह होने जा रहा है!

94 अब, अय्यूब जानता था कि यह घटित होने जा रहा है। और वह जानता था कि परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह "धर्मी" है। परंतु उन्होंने उसे पापी बना दिया इसलिए वह प्रेरणा की प्रतिज्ञा करने लगा। शैतान ले रहा था उन—उन लोगों को और वह आस–पास आया... उसके सांत्वना देने वाले जो लोग लगते थे और उस पर दोष लगाया परंतु वह इस से तनिक भी विचलित नही हुआ। परंतु जो परमेश्वर का वचन उस पर प्रमाणित हुआ... उसने परमेश्वर को अपने कानों से सुना परंतु एक दिन अपनी बहुत ही दुर्दशा में बैठा हुआ था... जब की वह वहां बैठा हुआ था और हर कोई उस पर दोष लगा रहा था, यहां तक की उसकी पत्नी भी उसे "गलत" बता रही थी, वह अपने छालो को खुजा रहा था। और एलीहू आया और उसके स्वार्थी होने पर उसे डांटा उस बात के लिये वह परमेश्वर पर दोष लगा रहा था और आदि–आदि।

95 और फिर यह उस समय प्रेरणा ने उस पर प्रभाव डाला, यह जब बिजली चमकनी आरंभ हुयी, और गर्जन गरजने लगी, ये जब प्रेरणा ने नबी को प्रभावित किया, और वह उठा और उसने कहा, "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है! और अंत के दिनों में वह पृथ्वी पर खड़ा होगा। यदापि खाल के कीड़े इस देह को नाश कर दे, तो भी अपने देह में मैं परमेश्वर को देखूंगा, जिसे मैं स्वयं देखूंगा।"

96 उसने देखा... वह वृक्षों के विषय में बातें कर रहा था, वनस्पति जीवन, यह कैसे मरता है और फिर जीता है जल इसे फिर वापस लाता है जल की महक जल की गंध जल को वृक्ष पर डालने का परिणाम या कुछ, एक बीज जो भूमि में पड़ गया। उसने कहा, "परंतु एक जो मनुष्य जो लेट जाता और प्राण छोड़ता है उसके बालक सम्मान करने को आते है और वह इसे नही समझता। ओ तू मुझे कबर में छिपा लेता है" (अय्यूब 14) "जब तक तेरा क्रोध समाप्त ना हो जाये।" उसने कहा, "परंतु यदि मनुष्य मरता तो क्या

वह फिर जीयेगा? अपने जीवन के नियुक्ति के समय में मैं प्रतीक्षा करूंगा, जब तक बदलाव ना आ जाये। तू मुझे पुकारेगा और मैं उत्तर दूंगा। तूने मुझे बांध रखा है ताकि मैं चला ना जाऊँ," और आदि–आदि। वह यह सारी चीजें जानता था उसने पेड़ के जीवन पर ध्यान दिया, परंतु मनुष्य का क्या हुआ जब वह मर गया? वह फिर ना उठा। इसलिए, परमेश्वर अपना छुड़ाने वाला दिखा रहा था।

97 वह किसी को देखना चाहता था जो उसके लिए बिचवाई कर सके। उसने बहुत से लोगों के लिये बिचवाई की थी, परंतु कोई है जो अब उसके लिए बोले? क्या कोई हो सकता है जो अय्यूब पर हाथ रखें या एक पापी मनुष्य पर और एक पवित्र परमेश्वर और मार्ग को पार कराये? क्या वह उसके घर जा कर और द्वार खटखटाये? क्या वह द्वार खोलेगा और उससे थोड़ी देर बात करें?

98 परंतु, जब प्रेरणा उसके हृदय में आयी, तब वह परमेश्वर को देख सका। बिजली चमकी, गर्जन हुयी। और जब यह हुआ, वह अपने पैरों पर खड़ा हुआ और उसने कहा, "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है! और अंत के दिन वह इस पृथ्वी पर खड़ा होगा।" देखिये, उसने परमेश्वर की प्रतिक्रिया को इस विश्वास पर देखना आरंभ किया।

99 अब, कोई आश्चर्य नही कि हम परमेश्वर को देख सकते है क्या कोई विधि है कि हम उसे देख सके? अब, केवल यही मार्ग है जो परमेश्वर के पास था अय्यूब को परखे। उसने कहा, "मैंने तुझे सुना, कानों के सुनते हुये, परंतु अब मैं तुझे अपनी आंखों से देखता हूँ।" अदृश्य का दर्शन स्पष्ट हो गया था। उसने बादलों को चारों ओर मंडराते देखा, उसने बिजली की चमक को सुना था, या इसे देखा। और गर्जन की गड़गड़ाहट को सुना, संभव है साफ दिन में, और उसने देखा कि परमेश्वर उस बादल में था, वह परमेश्वर को अपनी स्वाभाविक आंखों से देख सका। देखिये, क्योंकि अदृश्य दृश्य में था, दूसरों को देखने वाला दर्शन फिर प्रमाणित हुआ, स्पष्ट, स्वाभाविक आंखों को।

100 जिस प्रकार विश्वास कार्यों के साथ जैसा हम पिछली रात्रि बोले। अब्राहम... उसके पास पढ़ने को बाईबल नही थी, परंतु वह भविष्यवक्ता था, उसका दर्शन, और उसका विश्वास। और यह दूसरो को गलत प्रतीत हुआ कि उसे ऐसा सोचना चाहिये कि उसे ऐसा सोचना चाहिये कि उन्हें

बालक होने वाला है। परंतु उनके बालक हुआ क्योंकि उसका बालक का दर्शन वही था, जिस विषय में वह बात कर रहा था, कि "मैं उसे पाने जा रहा हूँ! मुझे यह मिलने जा रहा है!" परंतु जब बालक जन्मा था, तब दूसरे लोग उसे आंख से देख सकते थे, जो उसने दर्शन में देखा और जब आप इस पर कार्य करते है, जो आप अपने ह्रदय में विश्वास करते हैं, तब लोग परमेश्वर को जानते हैं और जानते हैं कि आपको क्या हो रहा है, जिस प्रकार का व्यवहार करते है। इसी प्रकार से आप परमेश्वर को अपनी आंखों से देखते है। परंतु उसके लिये वह सब जो उसने किया वह अच्छा था, वह सब जो उसके दूसरों के लिये किया उसे किसी आवश्यकता था कि कोई उसकी बिचवाई करे। जब बालक का जन्म हुआ, इसहाक का वह प्रेरणा जिसने उसकी अगुवाई की यह उसके दर्शन का प्रमाण था, जिसे लोग देख सके कि उसके दर्शन में क्या देखा था, वह वास्तव में सत्य था।

101 अब, कभी विश्वास की यह महान धड़कन संकट के समय आती है। यह अक्सर संकट ही हमें इसमें ले जाता है यह संकट ही था जिसने अय्यूब को इसमें पहुंचाया। क्यों, वह अपने जीवन के अंत पर था उसके बालक मर गये थे; उसके ऊंट। और उसका सारा सामान बरबाद और चला गया और उसका अपना जीवन वह अपने सिर की चोटी से और पाव के तलवे तक छालों से भरा हुआ था। यह एक संकट था, उसने स्वयं में वहां तक यत्न किया, जहां उससे प्रेरणा मिले।

102 ओ आज रात्रि, पुरुष और स्त्रियों, यदि आप आस पास देख सके और देखें कि हम प्रभु के आगमन के कितने समीप है। वे जिन्होंने पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को त्याग दिया। हो सकता है आप किसी उत्तेजना पर निर्भर कर रहे है, या आपने कुछ ऐसा किया जिस की शैतान नकल कर सकता है और वास्तविक आत्मा आप में नही है कि परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाओं पर जाये। कैसे एक मनुष्य पवित्र आत्मा होने का दावा करें और इस बाईबल के वचन का इन्कार करे कि, "यह ठीक नही"? आप यह नही कर सकते!

103 कोई मतलब नही आप कितने धार्मिक है आप कितने कलीसियायो से संबंध रखते हैं, आपके नाम कितनी पुस्तकों में है, यदि वह वास्तविक पवित्र आत्मा आप में है (जो कि प्रगट वचन है) तो आप घड़ी का संदेश देखेंगे, क्योंकि यह पवित्र आत्मा है, जो यह करता है। परंतु कुछ ऐसा होना

है कि ज्योति नही है तो आप पर प्रेरणा आती है। और यदि... यदि आप भूमि पर जल डाले, भूमि पर, भूमि पर और प्रभाव डालने के लिये वहाँ बीज नही है तो यह कैसे कुछ उगा सकता है? वहाँ उगने को कुछ नही है, यह केवल परमेश्वर के चुने हुये इसे देखेंगे।

104 परमेश्वर के चुने हुओं ने इसे नूह के समय में देखा, मूसा के समय में, यीशु के समय में, प्रेरित के समय में, लूथर के समय में, वैसली के समय में, पेंटिकोस्टल के समय में क्योंकि वह एक समय था कि बीच पृथ्वी पर था। जब यह प्रेरणा उंडेली गयी थी अब जब कि प्रेरणा दुल्हन को इकट्ठा करने को उंडेली गयी है, यह केवल उन चुने हुओं के लिये है जो इसे देखेंगे। यीशु ने कहा, "पिता मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तूने इस बातों को ज्ञानीयो और समझदारो से छिपा कर रखा है, और इसे बालको पर प्रकट किया है जैसे सिखाये गये।" अब, प्रेरणा को आना है।

105 अब, जब प्रेरणा उसको हुयी इसने यह किया तब यह उसके पास था। अब, हम पाते हैं, इन संकटों का एक समय आया जब आगे बढ़ रहा था। और आप आस–पास देखते हैं, उस स्थिति को देखिये जिसमें हम जी रहे हैं। क्या हम आधुनिक सादोम और अमोरा में नही है? क्या संसार वापस नही आ गया? वह अन्य जातियों का संसार था जो तब नष्ट किया गया आग के द्वारा। क्या यह यीशु ने लूका में नही कहा 17 वा अध्याय 28, 29 और 30 वा पद, "जैसा कि यह सादोम के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा जब मनुष्य का पुत्र प्रगट हो रहा होगा"? क्या "प्रकट हुआ"? एक भेद प्रगट हुआ, एक प्रकाशन; प्रकट होने के लिये या एक भेद जानने को।

106 अब यह बातें जो सारे कलीसियायी कालों में छिपी रही अब प्रगट हुयी जानी गई। अब, हम यह सकते है कि यदि परमेश्वर इसके समर्थन में ना हो तो यह गलत है, परमेश्वर को आवश्यकता नही कि कोई उसके वचन का अनुवाद करें, वह स्वयं अपना अनुवादक है उसने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," और वह हुयी। उसने कहा, "उजाला हो," और वहाँ था। और हम लूथर के युग में नही जी रहे, वैसली युग या पेंटिकोस्टल युग। पेंटिकोस्टल युग केवल वरदानों का कलिसिया में वापस आना था, परंतु हम सांझ के समय में रह रहे हैं, हम दुल्हन के बुलाहट के समय में रह रहे हैं।

107 और जैसा कि यह कैथोलिक के लिये कठिन है, कि लूथर को देखें और लुथरो के लिये कि वैसली को देखें, और वैसली के लिये कि पेंटीकोस्टल को देखे, ऐसे ही यह कठिन है कि पेंटीकोस्टल *इस* युग को देखे। यह सदा इसी प्रकार से रहा है क्योंकि यह चुने हुये बीजों पर उंडेला गया और केवल वे ही। यही है जो बाईबल सिखाती है। वे इसे नही देख सकते यहाँ तक कि यीशु ने उनके लिये प्रार्थना की कहा, "वे अंधे थे, वे इसे नही जान पाये।" प्रकाशितवाक्य हमें बताता है, इस लौदिकिया काल में, जब उसे कलीसिया से बाहर निकाल दिया गया कि, "वे नंगे! कंगाल! अभागे! अंधे! और यह नही जानते।" फिर वापस, वे इसे नही देख सकते, इसे नही समझ सकते। वे रीति रिवाजों में इतने बढ गये!

108 परंतु स्मरण रखे, यीशु मसीह के मुख से परमेश्वर की प्रतिज्ञा किया हुआ, वचन वही परमेश्वर जिसने बोल कर सृष्टि को अस्तित्व में किया वही था जिसने सृष्टि को रचने से पहले जिसने वचन बोले, कि "ये हो जा," और वह हो गया। क्योंकि उसने कहा, "वह संसार में था और संसार उसके द्वारा बना और संसार ने उसे ना जाना, परंतु जितनो ने उसे उसने उन्हें सामर्थ दी कि परमेश्वर के पुत्र हो जाये।" वही सृष्टिकर्ता, वह सृष्टिकर्ता स्वयं जब उसने लाजर को मरे हुओं में से जिलाया, उसने कहा, "सोचिये यह विचित्र नही, क्योंकि वह घड़ी आती है कि जब वे सारे जो कब्र में है मनुष्य के पुत्र की आवाज सुनेंगे और बाहर आ जायेगे।" वही परमेश्वर जिसने कहा कि, "उजाला हो जा," कहा, "मनुष्य के पुत्र की आवाज उन्हें जो कब्र में है जगा देगी।" यह अपने समय में घटित होगा। उसने कहा, "नर और नारी हो जाये" और आदि–आदि, और यह सब वर्षों और सैकड़ों वर्षो पहले की यह घटित होता।

109 भविष्यवक्ता यशायाह को प्रेरणा हुयी, उसने कहा, "हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, एक पुत्र दिया गया, उसका नाम युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, सदा काल का पिता कहलायेगा।" वर्षों बीत गये, महीनों, वर्षों, दिन, सप्ताह, वर्षों बीत गये, सैकड़ों वर्ष बीत गये। आठ सौ वर्षों बाद कुंवारी से इम्मेनुएल उत्पन्न हुआ। क्यों? क्योंकि यह परमेश्वर के अभिषिक भविष्यवक्ता के होठो से बोला गया, एक आगे बढ़ा। समझे? "और वह महान घडी," कहा, "क्या तुम खोजोगे... मुझ से दर्शन या एक चिन्ह मांगो।"

110 उसने कहा, "मैं उन्हें एक चिन्ह दूंगा, सदा काल का चिन्ह, एक चिन्ह, 'एक कुंवारी गर्भवती होगी, ' एक सदा साल का चिन्ह।"

111 अब, हम उन्हें घडियो एक वास्तविक तनाव पाते है, जो की अक्सर जब पवित्र आत्मा भीतर आता है। उसने इब्रानी बालकों को आग की मिट्टी में जाने दिया इसके पहले कि वह अपना हाथ हिलाये। परंतु जब वह करता है तो करता है।

112 अब, हम यहाँ लुका में देखते हैं 17 वा अध्याय और 30 वा पद, जो उसने कहा, "अंत के दिनों में, मनुष्य का पुत्र स्वयं को प्रकट करेगा, जैसे उसने पहले सदोम और अमोरा में किया और वही स्थिति होगी।" उसने मूसा के विषय में बताया... और मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ, मूसा विषय में नही, परंतु नूह के विषय कि कैसे वे लोग खा–पी रहे थे और आदि–आदि, विवाह और विवाह में लेन–देन कर रहे थे। तब वह आया उसने कहा, "अब जैसा लूत के दिनों में था, ऐसे ही उस समय होगा जब मनुष्य का पुत्र प्रकट हुआ।" अब, देखो, मनुष्य का पुत्र अब्राहम के झुंड पर प्रकट हुआ, एक मनुष्य के समान, एक भविष्यवक्ता मनुष्य की देह के रूप में एक साधारण मनुष्य, कपड़ों पर धूल पड़ी हुयी और अब्राहम ने उसे "ऐलोहिम" कहा।

113 अब, यीशु ने प्रतिज्ञा दी यहाँ अंत के दिनों में मनुष्य का पुत्र फिर प्रगट होगा, उसी प्रकार के झुण्ड पर अब्राहम का शाही बीज, आग के गिरने से थोड़ा पहले। स्मरण रखे, कलीसिया ने कभी भी कोई गवाही स्वीकार नही की अब्राहम और उन्होंने नही, प्रतिज्ञा का पुत्र है जिसकी वे राह देख रहे थे ठीक उसके बाद लाया गया। और कलीसिया प्रतिज्ञा के पुत्र की राह देख रही है, वह ठीक इस सेवकाई के दिनों के बाद आयेगा, वह स्वर्ग से प्रगट होगा। अब हम इसे बहुत ही स्पष्ट देखते है, यह होना ही है। अब, केवल इतना ही किसी चीज को धड़कन है कि मनुष्य में आ जाये, परमेश्वर ने प्रमाणित किया और उसे बताया और उसे दिखाया कि यही चीज है जिसे घटित होना है; और कि तुम होने जा रहे हो...

114 जैसा मूसा ने किया, उसने उन बालकों को छुड़ाना ना चाहा, परंतु परमेश्वर उस से बोला उस जलती हुयी झाड़ी में। उसने जाना ना चाहा, परंतु उसे जाना पडा। मूसा ने महान यहोवा का शब्द सुना, परंतु तब वह उसे देख सका, वह अग्नि स्तंभ के रूप में था, "मैंने तेरे विषय में सुना

है, परंतु अब तुझे देखता हूं।" उसने उसमें क्या देखा? उसका वचन प्रमाणित हुआ।

115 परमेश्वर ने अब्राहम को बताया कि "उसके लोग अनजाने देश में परदेसी हो कर चारसौ वर्ष तक रहेंगे, परंतु वह उन्हें सामर्थी हाथ से निकाल लायेगा।"

116 और, ध्यान दें, इस जलती झाड़ी ने इस बात का प्रमाण दिया कि जो अब्राहम ने कहा था वह घटित होगा। मूसा ने कहा, "मैंने इसके लिये सुना था, परंतु अब मैं इसे देखता हूं!"

117 अब, *हमने* सुना है कि अंत के दिनों में मनुष्य का पुत्र अपने लोगों के मध्य में आयेगा और स्वयं को लोगों पर उसी प्रकार प्रगट करेगा जो उसने सादोम के नष्ट होने से थोड़ा पहले किया था। मनुष्य का पुत्र, उसने क्या किया? वह सारा के ह्रदय के भेद को जान गया था। और अब्राहम ने परमेश्वर की आवाज सुनी, उसने उसे विभिन्न प्रकारों में देखा होगा (मैं नही जानता उसने उस से कैसे बाते की सपनों के द्वारा या भविष्यवाणीयो से) परंतु इस बार उसने उसे देखा। "मैंने आपके विषय में सुना है, अब मैं आपको देखता हूं।"

118 और कलिसिया ने परमेश्वर के विषय में सुना, उन्होंने उसके विषय में पढ़ा और उसने क्या किया, और प्रतिज्ञाये जो उसने की, परंतु अब मैं उसे देखता हूं अपनी आंखों से (ठीक वैसे ही जैसे अय्यूब ने किया), "मैंने तेरे विषय में सुना है, परंतु अब मैं तुझे देखता हूं।" ओह! क्या ही अंतर है।

119 मूसा, इस संकट में चिल्ला उठा। और हम पाते हैं, निर्गमन के 14 वें अध्याय में, 13 से 16 वे पद, मूसा उस महान तनाव में वहां इस्राईली बालको के साथ, उसे प्रेरणा हुयी और उसने कहा जो उसे कहना चाहिये था, उसे नही मालूम कि उसने यह कहा, देखो, "शांत रहो और परमेश्वर के उद्धार को देखो।" परमेश्वर उससे अभी तक बोला नही था। देखिये, उसे प्रेरणा हुयी।

120 उन्होंने कहा, "तू क्यों हमें यहां बाहर ले आया? हमें तो मिस्र में ही मर जाना था। क्योंकि वह कब्र नही थी? हमें बाहर ले आया और हमें मरने

दिया; हम गुलामों के समान वहाँ शांति में रह रहे थे, जब तक मर नही जाते, परंतु तू हमें यहाँ ले आया।"

121 मूसा, एक भविष्यवक्ता, यह जानता था कि उसकी पहुँच परमेश्वर के पास प्रेरणा में था, और उसने कहा, "शांत रहो और तुम परमेश्वर के उद्धार को देखोगे; क्योंकि जिन मिस्रीयो को तुम आज देख रहे हो उन्हें फिर नही देखोगे।" उसे कैसे मालूम हुआ कि यह होने जा रहा है? उसे कैसे मालूम चला? उसे नही पता कि उसने क्या कहा।

122 परंतु तुरंत उसके यह बोलने के पश्चात, परमेश्वर ने उसे बताया कि यह कैसे करना है। कहा, "मेरे सामने ना रो अपनी घड़ी अपने हाथ में ले और समुद्र के ऊपर तान दें, और इस्राईली बालको से कहा 'चलो!'" आमीन!

123 प्रेरणा! इसी प्रकार से यह आपको होता है, यदि आप बीमार है। यह इसी प्रकार है यदि आप पीडीत है, आप पर कुछ प्रगट हुआ है और आप देखिये यह आप पर प्रकट हुआ, आप बोले, "मैं चंगा हो गया!"

124 तब परमेश्वर आपको बताता है कि आपको क्या करना है, "उठ और चलना आरंभ कर।" आमीन! तब यह हो गया, जब आप यह उस प्रकार कर सकते हैं। परमेश्वर इसी प्रकार करता है, तब आप परमेश्वर को अपने में से प्रकट होते देखते हो।

125 यह परमेश्वर था जिसने उसे यह करने को कहा। और तब जितने सारे उपस्थित थे, सारा इस्राईल जो उपस्थित था। उसने देखा कि मूसा की प्रेरणा हुयी, उन्होंने परमेश्वर को अपनी आंखों से देखा जल को एक ओर से दूसरी ओर को पीछे हटते। और अग्नि स्तंभ ने उसके अगुवाई समुद्र के आर–पार की। उसने परमेश्वर के लिये सुना तब उन्होंने परमेश्वर को देखा।

126 यहोशु संकट की घड़ी में था, जब सेना आगे बढ़ रही थी और सूर्य डूब रहा था। यहोशु एक भविष्यवक्ता था, वह जानता था यदि उन सेनाओं के पास अवसर था कि मिलकर उसके विरोध में उठे तो उसे बहुत सी जानो की हानि होगी, इसलिये इस संकट की घड़ी में जब ही कुछ किया जाना था... केवल एक ही चीज थी यदि वह उन्हें भगाये रखता वह उन्हें मार्ग से भगा देगा प्रत्येक को नीचे की ओर। परन्तु ऐसा करने के लिये प्राप्त उजियाला ना था इसलिये यहोशू खड़ा हुआ अपने हाथ खड़े किये उसने

कहा, "सूर्य, तू खड़ा हो जा! और चांद अजालोन पर ठहर गया, जब तक कि मैं इस युद्ध को आर पार ना कर दूं।" और सूर्य रूक गया। उन्होंने यहोशू को कहते सुना और फिर उन्होंने परमेश्वर को देखा, अपनी आंखों से कार्य करते हुए। सत्य है!

127 देखिये, सही में विरोधाभास दिखाई पड़ता था जो कि असंभव प्रतीत होता था फिर भी यह सत्य है। परंतु, "सूर्य खड़ा हो गया," बाईबल कहती है। मैं नही जानता आप लोग क्या सोचते हैं वे सोचते है अब संसार भाग रहा था परंतु जो भी है, "सूर्य स्थिर हो गया।" संभवतः यहोशू ने कभी इसे समझने का यत्न नही किया कि वह इसे कैसे करने जा रहा है, परमेश्वर इसे कैसे करने जा रहा है, केवल बात यह थी कि उसने कहा, "सूर्य स्थिर हो जा!" उसने ये कहा संभवतः यह जानते हुये कि वह क्या कह रहा था, क्योंकि यह परमेश्वर था जिसने उसे यह दिया, और उसने किया।

128 वही बात मरकुस 11:23, "यदि तू इस पहाड़ से कहे 'हट जा,' और अपने हृदय में संदेह ना करें, परंतु यह विश्वास करें, जो तूने कहा घटित हो जायेगा, जो तुमने कहा तुम पा सकते हो।" परंतु आप अपने मष्तिक में गड़बड़ी के साथ नही खड़े हो सकते और ये कहे, आपको प्रेरणा में होना है यह कहने के लिए। आमीन!

129 भावव्यक्ति को क्षमा करें; परंतु उस दिन जंगल में बैठे हुये, (और परमेश्वर मेरा न्यायी है, और मैं इसी प्रचार मंच पर मर सकता हूँ) जब इस पवित्र लेख ने मुझे सारे जीवन भर चकराया... उस दिन प्रात: जंगल में बैठे हुये, मैं इस पर सोच रहा था और वह आवाज मुझ से बोली उसने कहा कि, "यह पवित्र लेख बाकी सारे पवित्र लेख जैसा ही है यह सत्य है।"

130 और मैंने सोचा, "भई, यह कैसे हो सकता था? "

131 और उसने कहा, "तू... " मैंने कहा... उसने कहा, "बोल और यह वैसे ही हो जायेगा। इसका संदेह ना कर।"

132 और मैं किसी से बातें कर रहा था, वहाँ जंगल में बैठे हुये। वहाँ तीन दिन से कोई गिलहरी नही थी, वहाँ कोई गिलहरी नही थी मैं गूलर के झुरमुट में था। गिलहरी आती ही नही... यह जानते हुये कि गूलर में नही है। मैं वहां बैठा हुआ था और; हवा तेज चल रही थी, प्रात: के लगभग दस बजे और मैं फिर सोच रहा था।

133 और यह कहा, "तू शिकार कर रहा है और तुझे गिलहरी चाहिये, जैसे अब्राहम को एक मेमना चाहिये था।"

134 मैंने सोचा, "इसने सदा मुझे सत्य बताया है, परंतु यह अजीब लगता है।" और मैं यहां बैठा था वहां से खड़ा हो गया, चारों ओर देखा कि, "वह व्यक्ति कहाँ है, जो मुझ से बातें कर रहा था? " कुछ नही; हवा तेज चल रही थी। और मैंने सोचा, "क्या मैं नींद में हो सकता हूं और यह स्वप्न देख लिया हो? नही, मैं नींद में नही था। मैं पेड़ से टिका बैठा देख रहा था भाई वुड को साथ लेना था भाई सोथमन वहां पर थे थोड़ी देर में, लगभग प्रात: दस बजे। वहाँ किसान लोग काम कर रहे थे, अपने दाने इक्कठा कर रहे थे।"

135 और मैंने फिर यह कहते सुना, "तू शिकार कर रहा है और तुझे शिकार चाहिये तुझे कितने चाहिये? "

136 और मैंने सोचा, "अब मैं ऐसे अधिक नही करना चाहता, मैं बस तीन के लिये कहने जा रहा हूं, तीन गिलहरियाँ। मैं तीन लाल युवा गिलहरियाँ चाहता हूँ। मुझे वे चाहिए।"

137 और कहा, "तो फिर इसके लिये बोल।"

138 और मैंने कहा, "मैं तीन लाल युवा गिलहरियाँ पाने जा रहा हूं।"

139 उसने कहा, "वे किस मार्ग से आयेगी? "

140 "भई," मैंने सोचा, "मैं यहां तक आ गया हूं, यह कोई चीज मुझ से बात कर रही है।" वैसे ही जैसे आप मुझे बातें करते सुन रहे है। और स्वर्ग का परमेश्वर इस बाईबल के साथ जो मेरे हृदय पर है, जानता हूं कि यह सत्य है। और वह... और मैंने कहा, "ठीक है,... " मैंने विचित्र सा स्थान चुना, वहां एक सूखी डाली लटक रही थी (लगभग पचास गज पर, जहाँ मेरी बंदूक की पहूँच थी)।

141 मैंने कहा, "पहली वाली ठीक वहाँ होगी," और वह वहां पर थी।

142 मैंने अपनी आंख मली और मुड़कर देखा (मैंने अपने सिर घुमाया), और मैंने सोचा, "मैं दर्शन पर गोली नही चलाना चाहता।" इसलिये मैंने फिर से घूम कर देखा और वहां गिलहरी बैठी थी मैंने अपने बंदूक में गोली डाली निशान लगाया और मैं उसकी काली आंख देख सकता था युवा लाल गिलहरी। मैंने सोचा, "मैं—मैं... संभवतः वह मैं सो रहा हूं, मैं—मैं कुछ

मिनटों में जाग जाऊंगा, मैं इस विषय में स्वप्न देख रहा हूं," मैंने निशाना साधा गिलहरी को मारा और यह डाली पर से गिर गयी। मैंने सोचा, "भई, मैं नही जानता।" मैंने सोचा, "कि मैं वहां जाकर और इसे देखू? " और—और मैं चल कर वहां गया और वह वहां पड़ी थी। मैंने इसे उठाया और उसमें से लहू निकाला। दर्शन के खून नही बहता, आप जानते हैं। इसलिये मैंने इसे उठाया और यह गिलहरी थी। मैं सारा का सारा सुन्न हो गया।

143 मैंने चारों ओर देखा, मैंने कहा, "परमेश्वर यह आप थे!" मैंने कहा, "इसके लिये धन्यवाद। अब मैं बाहर जाऊंगा... "

144 उसने कहा, "परंतु तूने *कहा*! जो तूने कहा उस पर संदेह है? तूने कहा मैं 'तीन' लूँगा। अब अगले वाली कहां से आयेगी? "

145 मैंने सोचा, "तो, यदि मैं स्वप्न देख रहा हूं, तो इसे चलने दो।"

146 इसलिये मैंने—मैंने कहा... मैंने वहां एक पुराने पेड़ का एक टूट चुना जो उस जहरीले कुंदरु से लिपटा हुआ था। आप वहां कभी भी गिलहरी नही पायेगे। इसलिये मैंने कहा, "अगली वाली उस जहरीली कुंदरू पर से आयेगी," और वहां वह युवा लाल गिलहरी बैठी थी ठीक मेरी ओर देख रही थी। मैंने अपने बंदूक को संभाली और अपनी आंखे मली। फिर वापस घूमा मैंने सोचा... वहाँ वह बैठी है, अपना सिर एक ओंर घुमाया गिलहरी को। मैंने गोली मारी, और मैं घर को चलने लगा।

147 परंतु कहा, "तूने 'तीन' कहा! उस पर संदेह है? "

148 मैंने कहा, "नही, प्रभु, जो मैंने कहा मुझे संदेह नही, क्योंकि आप पुष्टि कर रहे है।"

यह एक पवित्र लेख है जिसने मुझे चकरा दिया: "यदि *मैं* कहता, परंतु यदि *तू* कहे।" ना कि यदि *यीशु* इसे कहे, परंतु यदि *तू* यह कहता है, स्वयं से।

149 और मैंने सोचा, "कैसे भी मैं उस माध्यम में आ गया हूं, और मैं जानता हूं कि वह यहां है क्योंकि मैं लगभग अपने में नही था।" मैंने सोचा, "मैं यह हास्यापद सा करुंगा, बिल्कुल पक्का।"

मैंने कहा, "लाल गिलहरी वहाँ *उस* पहाड़ से उतरे, सीधी नीचे आये *इस* रास्ते से, और मेरे पास से होकर और उधर जाये, और *उस* डाली पर जाकर बैठे और वहाँ *उस* किसान की ओर देखें।" यहाँ वह पहाड़ से उतरी

सीधी वहां की ओर गयी, और बैठ कर, उस किसान को देखने लगी। और मैंने उस पर गोली मारी।

150 शैतान ने मुझ से कहा, "तुम जानते हो क्या? कि जंगल इन से भरा हुआ है।" और मैं वहां बाहर बारह बजे तक बैठा, और कोई दूसरी बात नही हुयी। या यह ये दिखाने जा रहा है, जब परमेश्वर... वही आकाश और पृथ्वी का सृष्टिकर्ता है!

151 सुन रहे हैं, जेफरसनविले में अब, एक राइट नाम का परिवार है भाई वुडस और मैं उन्हें मिलने गये। वे कलीसिया के लिये प्रभु भोज का दाखरस बनाते है। छोटे ऐडिथ वहाँ बैठी हुयी थी कमरे में, एक छोटी अपाहिज लड़की वह अपने सारे जीवन से अपाहिज थी, और इसलिये हम सदा परमेश्वर से उसकी चंगाई की प्रार्थना करते थे। उसकी एक बहन विधवा थी उसका पति मार दिया गया था; उसका नाम हेटी था बहुत ही नम्र महिला और जब की भाई बैक्स और मैं उसके लिये खरगोश लेने गए थे, और उन्होंने बड़ी चेरी पकड़ी थी; और खिलाने के लिये मुझे बैठाया।

152 हम सब मेज के चारों ओर बैठे हुये थे, हम इसी विषय पर बातें कर रहे थे, यह अभी कुछ ही दिनों पहले हुआ है। जब हम मेज के चारों ओर बैठे हुये इस विषय में बातें कर रहे थे, एक दम से मैंने कहा, "क्या घटित हो सकता था? " मैंने कहा, "भाई राइट, आप एक बूढ़े व्यक्ति है, अपने सारे जीवन आपने गिलहरियों का शिकार किया है। भाई शेलबाई, आप गिलहरी के शिकार में निपुण है। भाई वुड ऐसे आप भी मैंने भी बचपन से इनका शिकार किया है। क्या आपने कभी गिलहरी को गूलर के पेड़ पर और टिड्डीयो के झुंड में देखा? "

153 "नही श्रीमान।"

154 मैंने कहा, "वह वहां पर नही थी।" मैंने कहा, "मैं केवल यही बात जानता हूं कि ये वही परमेश्वर है। जब अब्राहम को मेमने की आवश्यकता पड़ी, 'वह *यहोवा–यीरे* था, वह अपने लिये दे सकता था।'" मैंने कहा, "मैं विश्वास करता हूं, ये वही चीज है।"

155 और वहां पीछे हेटी बैठी हुयी थी, बोली, "भाई ब्रन्हम, यह सत्य को छोड़ और कुछ नही है!"

156 उसने ठीक बात कही! जब उसने यह कहा पवित्र आत्मा फिर से उस प्रणाली में आ गया उसने उनमें से प्रत्येक ने यह अनुभव किया। मैं खड़ा हो गया, मैंने कहा, "बहन हेटी, यहोवा यों कहता है, आपने सराफिनी स्त्री के समान सही बात कही, पवित्र आत्मा अब मुझ से बात कर रहा है, और मुझ से कहा कि आपको आपके हृदय की इच्छा दे।" मैंने कहा, "अब यदि मैं परमेश्वर का दास हूं, यदि यह है यह घटित होगा, यदि मैं परमेश्वर का दास नही, तो फिर मैं झूठा हूं, और यह घटित ना होगा, मैं एक धोखेबाज हूं।" मैंने कहा, "अब परख लो और देख लो, यह परमेश्वर का आत्मा है या नही।"

157 उसने कहा, "भाई ब्रन्हम," (हर कोई चिल्ला रहा था) कहा, "मैं क्या मांगू? "

158 मैंने कहा, "आपकी छोटी अपाहिज बहन वहां बैठी है।"

159 मेरी जेब में बीस डालर थे, उसे देने के लिये, जो उसने दान में दे दिये। उस महिला ने वर्ष भर में दो सौ भी जमा नही किये, उस छोटे पुराने खेत पर वह और उसके दो पुत्र। उसके लड़के पढ़ने वाले 'आवारा' बालक थे आप जानते हैं, और अपनी मां पर हंस रहे थे सोलह वर्ष की आयू। और, ओह, वे वहाँ खड़े हुये जो मैं कह रहा था, उस पर हंस रहे थे।

160 और मैंने कहा, "तुम्हारे पास बूढ़े पिता और मां है वहां बैठे है। आपके पास कोई पैसा नही। पैसे मांग लो, और देखिये कि यह आपकी गोद में आता है कि नही अपनी बहन के लिये मांग लो, और देखिये कि खड़ी हो चलती है।" तब मैं जानता हूं, अय्यूब के समान, आप जानते है कुछ ऐसा होता है जब आप इस पर प्रहार करते है। कहा, "मैं जानती हूं! यहां मैं लगभग दस लोगों के समक्ष खड़ा हूं," मैंने कहा, "यदि यह घटित नही होता, तो मैं झूठा भविष्यवक्ता हूं।"

161 बोली, "मैं क्या मांगू? "

162 मैंने कहा, "यह आप पर है कि आप क्या निर्णय लेती है। मैं आपका निर्णय नही ले सकता।"

163 उसने चारों ओर देखा, वह छोटी महिला एक यकायक उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मेरे हृदय की महान इच्छा मेरे दो लड़को का उद्धार हो।"

164 मैंने कहा, "मैं यीशु मसीह के नाम में, आपके लड़के आपको देता हूं।" और वे खी–खी हंसने वाले, उपहास उडाने वाले लड़के अपनी मां की गोद में गिर पड़े, और अपना जीवन परमेश्वर को दे दिया और तब वे पवित्र आत्मा से भर गये।

165 क्यों? यह सत्य है! परमेश्वर को अधिकार है कि मुझे मार डाले सारे राष्ट्र और इन लोगों के सामने। आप में से बहुत से यहाँ है, और जेफरसनविले में, मैं सुन सकता हूं कि अब परमेश्वर के भवन में, आमीन! गूंज रहा है! क्योंकि वे वहां बैठे हुये और वही सुन रहे है। देखीये, क्योंकि यह सत्य है! यह क्या है? यह जब परमेश्वर अपनी सर्वश्रेष्ठ अनुग्रह के द्वारा; यह घटित हुआ! इसके बहार, यह नही होगा।

166 उस संकट की घड़ी में... उस मनुष्य के लिये सोचें और लोग जिनको मैं जानता हूं। परमेश्वर ने सारे यशस्वी लोगों को छोड़ दिया, और हर चीज निर्धन बेचारी नम्र महिला को दी अपने नाम के हस्ताक्षर नही कर सकती और वह जानता था कि वह क्या मांगेंगी। और यह महान चीज थी; उसकी बहन अब मर गयी, और उसके मां और बाप को मरना है, पैसा नाश हो जायेगा, परंतु उसके लडको का प्राण अनंत है! और उनके लिये वह घड़ी थी कि वे इसे पकड़े। और जैसे ही मैंने कहा, "मैं आपको आपके लड़के देता हूं यीशु मसीह के नाम में," वे वही अपनी मां की गोद में गिर पड़े। आप में से कितने यहां हैं जो जानते हैं कि यह सत्य है, आप ये जानते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] देखा? यह सही है। जी हां। क्यों? प्रेरणा!

167 अब: "मैंने तेरे विषय में सुना है, कि तू गिलहरियों को उत्पन्न करता कर सकता है; मैंने तेरे विषय में सुना है कि तू मेम्ना उत्पन्न कर सकता है परंतु अब मैं तुझे अपनी आंखों से देखता हूं!" प्रगटीकरण, दर्शन प्रगट में, देखने में आया, जब परमेश्वर किसी चीज की प्रतिज्ञा करता है, तो वह वही करेगा।

168 ध्यान दें, जब आपको आवश्यकता हो, शायद यहोशु के समान। उसे आवश्यकता थी; उसने हालात के विषय में नही सोचा उसने यह बोल दिया और यह परमेश्वर था! क्या आप विश्वास करते है कि सूर्य स्थिर हो गया? ऐसे ही मैं भी। यह उसने कैसे किया? इसे समझने का यत्न ना करें परंतु इसी प्रकार हुआ। यहोशु ने यह किया, और अपने हाथ उठाये; उस

संकट की घड़ी में उसकी पहुंच परमेश्वर के पास थी और यही जो हुआ यह समयानुसार था। जीवते परमेश्वर के आत्मा ने इस आवश्यकता को देखा और यहोशु पर डाल दिया कि यह कहे। उसी परमेश्वर ने अब्राहम की आवश्यकता को देखा उसी परमेश्वर ने वचन की पुष्टि की आवश्यकता को मेरे लिये देखा *कि* वचन भी सच्चा है! उसी परमेश्वर ने पहले से चुने हुये लड़कों की आवश्यकता को देखा, और वह वह घड़ी थी कि उसने सिद्ध किया और अपने वचन की पुष्टि की।

169 संत मरकुस 14, हम एक स्त्री को देखते हैं, उसने उस पर विश्वास किया, उसकी आवश्यकता थी और देखा कि उसके पांवो को घोये जाने की आवश्यकता है उसे केवल प्रेरणा में आना था कि कार्य करें। अब इसे ध्यान से सुने... इसके पहले कि हम बंद करें। उसे केवल प्रेरणा में आना था कि कार्य करें, क्योंकि वह पहले ही उसके विषय में सुन चुकी थी। उसने यह सुना था, "कि उसने एक स्त्री के पाप क्षमा किये है, एक वैश्या। और कहा, 'तुम में से कौन निष्पाप है? वह पहले पत्थर मारे।'" उसने उसके विषय में सुना था, परंतु जब उसने उसे देख लिया। वह उसकी सेवा के लिये प्रेरणा से भर गयी। केवल यही चीज आपको करनी है।

170 पवित्र आत्मा आपको बताये कि "आप पापी है!" पवित्र आत्मा आपको बताये कि "आप गलत है!" पवित्र आत्मा आपको वचनों से सिद्ध करें कि "आप वचनानुसार गलत है!" और क्या... क्योंकि यह केवल एक ही मार्ग से हलचल करता है, परमेश्वर का हर वचन यह किसी को भी नही छोड़ेगा। यदि आप करते हैं, तो यह आपको कभी भी भला नही करेगा। क्योंकि पवित्र आत्मा इसे आपको प्रेरित कर सकता है, परंतु यदि प्राण परमेश्वर के संग ठीक नही है जैसे कि हम इस सारे सप्ताह रहे है तो जो भी है, यह अच्छा नही। स्मरण रखें अंत के दिनों में झूठे अभिषिक उठ खड़े होगे झूठे मसीह (अभिषिक), और यदि हो सके तो चुने हुओं को धोखा देंगे।

171 ध्यान दे, उसके पास उसकी सेवा करने के लिये था उसने उसके विषय में सुना था, अब उसने उसे अपनी आंखों से देख लिया उसके पास करने के लिये एक सेवा थी, और उसका इस से कोई लेना–देना नही था। इसलिये जैसे वह आगे तेजी से बढ़ी कि सेवा करें, परमेश्वर ने जल और तौलिया अपने पैरों के लिये समाप्त कर दिया था। उसने अपने सारे जीवन जीवित परमेश्वर के विषय में सुना था, परंतु अब उसने उसे अपनी आंखों

से देख लिया, वह जान गयी कि ये वही है और उसे प्रेरणा हुयी और कहा, "*यह* संदेशवाहक है!" उसे सेवा की आवश्यकता थी (उसके पास सेवा करने को कुछ भी नही ना था) उसके पांव गंदे थे। परंतु जो भी है वह तेजी से आगे बढ़ी कि उसकी सेवा करें, क्योंकि वह इसे करने के लिए प्रेरित थी।

172 ओह कलीसिया के पिछड़े सदस्यों नामधारी पुरुष था, महिला क्या तुम आज रात्रि यीशु की आवश्यकता नही देख सकते? यदि केवल प्रेरणा ही आप को प्रभावित करें तो यह घड़ी है इसे करने के लिये। परंतु उसने उसे अपनी आंखों से देखा। और दूसरे वहां उसका उपहास उड़ा रहे थे। उन्होंने उसके संदेश का विश्वास नही किया। खुले रुप में, वह मेजबान, पास्टर मेजबान बूढा शमौन उसे इसलिये बुलाया कि उसका उपवास उड़ाये। उन्होंने विश्वास नही किया कि वह एक भविष्यवक्ता था।

173 इसलिये तब जब यह प्रतीत हुआ जैसे शैतान ने कार्य किया वह ठीक उसमें यह कहलाने के लिये था, उसने अपने मन में कहा, "यदि यह मनुष्य भविष्यवक्ता था, तो उसे मालूम हो जाना था कि उसके चरणों पर किस प्रकार की स्त्री है। यदि वह भविष्यवक्ता था!" देखिये, उस पर यह प्रगट ही नही हुआ था कि वह कौन था। वहाँ कोई भी प्रकाशन उसे प्रभावित ना कर सका, क्योंकि वह प्रभाव डालने के लिए कुछ था ही नही। परंतु उस स्त्री को प्रभावित किया था!

174 स्त्री की आंखों ने अलोचना से आगे देखा। उसने विश्वास किया, कि वह था भविष्यवक्ताओं का वचन। वह जान गयी थी कि यह सारा का सारा भविष्यवक्ताओं का वचन है, जो उसमे प्रमाणित हो रहा था, उसने सुना था कि वह पृथ्वी पर है, परंतु अब वह उसे देखती है। ध्यान दें उसने क्या किया। उसने वचन को देहधारी होते देखा, वह मसीहा, इमेनवेल। जब उसने अपने विश्वास की धड़कन को मार्ग दिया (इस बात का प्रकाशन कि वह कौन था उस समय जब वह रह रही थी कि वह परमेश्वर का मेम्ना है, उस जैसी पापी स्त्री के लिये) उसकी आवश्यकता में सेवा करने पहुंची, बिना यह जाने कि वह इसे कैसे करेगी।

175 इसी प्रकार से विशुद्ध चंगाई आती है, जब यह आप प्रकट होता है कि "वह आपके अपराधों के कारण घायल किया गया, हमारे पापों के कारण कुचला गया और उसके कोड़े खाने से *तुम* चंगे हुये।" जब यह उसकी

उपस्थिति आपको दिखाने के लिये प्रेरित करता है, संत मरकुस 11 का, या संत लुका 17:30 कि वह स्वयं को अंत के दिनों में प्रकट करने जा रहा है (शरीर में अपने लोगों के मध्य में) जैसा उसने सदोम से पहले किया। जब आप यह देखते है और कुछ आपको प्रभावित करता है!

176 डॉक्टर यह कह सकता है, "कि कैंसर अब भी यहीं है।"

177 रोगी कह सकता है, "मैं—मैं—मैं—मैं—मैं—मैं नही जानता हूँ कि मैं कैसे चलने वाला हूं, परंतु जो भी है, मैं चलने वाला हूं।" हम नही जानते कि यह कैसे होने जा रहा है।

178 वह उसकी सेवा करने को आगे बढ़ी, क्योंकि प्रेरणा से वह प्रभावित हुयी... वह वहीं घड़ी थी, वह संदेशवाहक था वह मसीहा था कौन अच्छा होने वाला था, और उसने ये विश्वास किया। उसकी आवश्यकता थी कि उसकी सेवा की जाये और बिना कुछ दर्शाये आगे बढ़ गयी कि वह यह कर सकती थी वह अपनी प्रेरणा पर आगे बढ़ी। ध्यान दें! परमेश्वर ने उसकी आंखों की इंद्रियों को आंसूओं के लिये खोल दिया, वही आंखें जिन्होंने सुना था... कानो ने उसके विषय में सुना था; उन आंखों ने उसे देखा ख़ुशी से फूट पड़ी। तब, वह दूसरा परमेश्वर के दिए हुए लंबे बाल, उन बहते आंसूओं के साथ परमेश्वर ने उसे तौलिया प्रदान की उसके बालों की ओर उसके आंसूओं के संग। उसने उसकी आवश्यकता को पूरा किया जीवते परमेश्वर की आवश्यकता उसने इस विषय में सुना था परंतु उसने उसे देख लिया वह उसकी सेवा कर सकी।

179 ओह पापी! तुम क्यों नही इस प्रकार करते हो जब आप एक आवश्यकता को देखते हो कि उसे आपकी आवश्यकता है आपकी सेवा की! अब आपने एक को देखा, जिसे बाईबल में से सुना गया। हमने पिछली रात्रि उसे यहां भीतर आते देखा और उसने क्या किया, हम उसे एक सभा से दूसरी सभा में देखते है, और कभी कभी हम ठंडे से बिना कभी अंतर के बैठे रहते है कहते हो, "हां, मैं जानता हूं कि वचन यह कहता है। ओह, मैंने—मैंने यह होते देखा है।" हम में कोई जोश नही, इसने हम पर सही प्रभाव नही डाला। ऐसा कुछ प्रतीत नही होता, जैसे यदि आप कुछ उंडेल रहे है...

180 एक तीली को रगड़ रहे है, यदि तीली पर सल्फर ना हो तो यह जल नही सकती। आप बार–बार घिस और घिस और घिस सकते हैं, परंतु यदि

किसी रसायन से उस पर का सल्फर खराब हो गया है तो यह असर नही करेगा और उजियाला नही होगा। परंतु यदि वह रसायन व सल्फर किसी धातू से रगड़ा जाए... यह अब भी उसी पर है जब रगडेगा उजियाला होगा।

181 और जब वचन का सच्चा, विशुद्ध प्रमाण इस अंत समय के संदेश का, और आप यीशु मसीह कि उपस्थिति को देखते है, जो आपने सुना कि उसने अपने जीवन में क्या किया, और वचनों को सुनते है कहते है, कि "वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है"; और सादोम की दशा से थोड़ा पहले, वह परमेश्वर के क्रोध से जल गया, देखिए, यीशु अपने लोगों के मध्य में वापस आ रहा है मनुष्य देह के रूप में और वही चीजें करता है जो वह कर चुका। ओह! इसे हमारे प्राण पर महिमा से प्रहार करना चाहिये! इसे हमारे लिए कुछ करना चाहिए। क्यों? यह उस पर टपक रहा है।

182 आपने बाईबल में सुना है कि उसने क्या किया, कैसे स्त्री ने उसका वस्त्र छुआ। और उसे बताया कि उसकी क्या परेशानी थी और उसके विश्वास ने उसको चंगा किया। अब, उसने प्रतिज्ञा की वह वही चीजे फिर करेगा, संसार के जलने से थोड़ा पहले और संसार सादोम कि दशा में होगा। नया नियम, भविष्यवक्ता, परमेश्वर–भविष्यवक्ता, भविष्यवक्ताओं का भविष्यवक्ता सारे भविष्यवक्ताओं का परमेश्वर, परमेश्वरत्व की सारी संदेह भरपूरी, परमेश्वर... देह में प्रगट हुआ, रचियता उत्पत्ति का। हाल्लेलुय्याह! यह उसका वचन है! उसने कहा यह घटित होगा! और हम सादोम की दशा को देखते है, हम संसार को उस हम संसार को उस दशा में देखते है, अब हम उसे नीचे आते देखते है, और ठीक वही करता है जो उसने करने को कहा कि वह करेगा अब हमने उसके विषय में सुना है, अब हम उसे देखते हैं! "मैंने आपके विषय में अपने कानों से सुना है, अब, मैं अपनी आंखों से देखता हूं।" आमीन! "मैं उसे अपनी आंखों से देखता हूं।" यह कैसी घड़ी होनी चाहिए! यह कैसा समय होना चाहिए! उसके वचन की पुष्टि! सदैव जब वचन की पुष्टि हुयी, यह परमेश्वर अपने वचन में बोल रहा है स्वयं को प्रत्यक्ष कर रहा है ताकि आप देख सके।

183 अब, यहाँ पुरानी छोटी वैश्य गली से दूर, वह वेदी पर गिरती है, यीशु के सामने और वह उसके पाव आसुओं से धोती है, और उन्हें अपने बालों से पोछती है। परमेश्वर ने मान्यता दी, उसने कहा, "यह सुसमाचार जहाँ कहीं भी प्रचार आ जाएगा, यह बात उसके स्मरण में बतायी जाएगी।" क्यों?

देखिए वह कितनी गंदी थी, परंतु किसी चीज ने उसे प्रभावित किया। उसने प्रतिज्ञा के वचन को देखा, अदन की वाटिका से, यह, "स्त्री का वंश सर्प के सिर को कुचलेगा।" उसने मसीहा को देखा, जिसने कुंवारी से जन्म लिया था।

184 उसने सुना कि उसे कुंवारी से जन्म लेना था, परंतु उन्होंने सुना कि वह पुरुष पृथ्वी पर था। उसने सुना कि वहाँ एक युवक रब्बी, भविष्यवक्ता था। जिसने बीमार को चंगा किया उसने इसका विश्वास किया, और यहाँ नीचे सड़क पर आयी आस–पास चली, चारों ओर देख रही है, वह बाडे की ओर तक उसने उधर देखा और देखा कि एक दावत चल रही है, वह बड़े की ओर तक गई और उसमें से देखा और वह वहाँ था। वह वहाँ था! किसी चीज ने कहा, "यह वह है!" देखिए क्या घटित हुआ? उसने परमेश्वर के वचन को देहधारी होते देखा। उसने अपने कानों से सुना था, अब वह अपनी आंखो से देख रही थी।

185 अब, हर कोई जानता है कि हमारे पास अंत के दिनों में कलीसियायी दशा कि प्रतिज्ञा है। कलीसिया अपनी वर्तमान स्थिति में कभी भी परमेश्वर की आज्ञाओं को पूरा नही कर सकती, महान प्राधिकार कभी भी दुल्हन को बाहर ना भुला सका। यह कौन सा वाला करेगा? पेंटिकोस्टल? मुझे नही कहना चाहिए। उन बाकियो में से कोई नही यह मूसा है, जो गेंहू के ऊपर है, जो बाहर आया और ठीक गेंहू के समान दिखाई पड़ा, परंतु उसमें गेंहू नही था। यह खुल जाता है, परंतु दाना उसमें से बाहर आ जाता है। वे संस्थागत हो गए, उन्होंने स्वयं को मार लिया। यही यहां वे मर गए वे डंठल है। परंतु गेंहू उस में से हो कर आया और अब यह दुल्हन के रूप में आरंभ हो गया गेंहू का वह दाना जो भूमी में गिरा और उन अंधियारे युगों में उसे मरना ही था।

186 वह आलोचना कर रही है, "क्यों अनुग्रह का परमेश्वर लाल सागर को खोल सका, खड़े हुए उन बेचारे मसीहो को सिंह को खाने दिया और जलने दिया और हर चीज? तय, जैसे की मानो हंस रहे हो!" वे बेचारे अज्ञानी, क्या उसे मालूम ना चला, "सिवाये इसके कि गेंहू का दाना भूमि में गिरे"? इसे उन अंधकार के युगों में मरना ही था, किसी भी गेंहू के दाने के समान उसे भूमी के नीचे जाना है और गाडे जाने के लिए कि पहले सुधार में वे दो पत्ते लूथर के ले आए, इसे वैसलियन में आना था, बाहर सामने की

परागकण को ले आए, वह फुन्दनी मिशनरी युग। पेंटीकोस्टल में आना ही था, वरदानों की वापसी के लिए कि चुने हुओं को लगभग बहका ही दे, गेंहू के दाने के समान दिखाई पड़ा; इसे खोला उसमें गेंहू था ही नही, यह केवल भूसा था। परंतु वहाँ पीछे तब वे एकता वाद की संस्था को बनाने लगे, त्रिएकता संस्था, द्विवाद संस्था, चर्च ऑफ गॉड की संस्था और संस्थाये और ठीक मृत्यु! और अब क्या घटित हुआ होगा? परंतु यह गेंहू के लिए पड़ाव था इसमें सारे समय बढ़ रहा था।

187 अब यह अलग होने लगा गेंहू दिखाई पड़ने लगा। यह पेंटीकोस्टल नही है। यह बाद के दिनों का युग है। यह दुल्हन का युग है। यह सांझ के उजीयाले का समय है। यह जब मलाकी 4 को पूरा होना ही है कि परमेश्वर के आदर्श का अनुकरण हो। यह लूका 17:30 को पूरा होना है। यह दूसरा... और यर्मयाह और वे बाकी जो योएल ने इन दोनों के लिए कहा, *यह* वह दिन है। "प्रभु मैंने सुना है, और यह आ रहा था, परंतु अब मैं इसे अपनी आंखों से देखता हूं।"

188 यदपि बहुत से... कितने ही झूठे नकल मारने वाले उठ खड़े हुए, वे यर्नेस और यम्ब्रेस अपने हाथ की सफाई के साथ कुछ करने को जो मूसा ने किया, उसे था हारून को कभी ना हिला सके। वे जानते थे कि कहाँ... अय्यूब के समान, वे जानते थे कि उनकी प्रेरणा कहां से आती है, वे जानते थे कि यहोवा यों कहता है! है और उसी बाईबल ने जो उनके विषय में कहा, "वे अंत के दिनों में आयेंगे, नकल करने वाले।" वे धार्मिक नामधारी जब कुछ आरंभ हुआ... किसने पहले आरंभ किया? मूसा या उन्होंने? यदि ये उन्होंने पहले आरंभ किया, तो मूसा नकल हुआ।

189 अब, हमारे पास हर प्रकार के विचारों को परखने वाले हैं और आदि–आदि वे आपको मष्तिक को परमेश्वर की मूल चीज से हटाने का यत्न कर रहे है, जिसे कि परमेश्वर ने अपने वचन से सत्य सिद्ध किया है। "हमने इसे अपने कानों से सुना था, अब हम इसे अपनी आंखों से देखते है।" आमीन! क्या आप इसका विश्वास करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] हमारे सारे हृदय! प्रेरणा! और उस दिन जब मनुष्य का पुत्र प्रगट हो रहा होगा, मनुष्य का पुत्र, यीशु मसीह अपने लोगों के मध्य में प्रकट हुआ।

190 एक मनुष्य अब्राहम और उसके झुंड के सामने आया, एक साधारण सा मनुष्य उसके कपड़ो पर धूल उसने अपनी पीठ तम्बू की ओर फेरी, उसने

कहा, "तेरी पत्नी सारह कहाँ है? " सारा नही सारह (s–a–r–r–a, s–a–r–a–h; A–b–r–a–h–a–m, ना कि A–b–r–a–m) उसका नाम पुकारा, कहा, "वह कहां है? "

191 कहा, "वह तम्बू में है, आपके पीछे।"

192 कहा, "मैं जीवन के समय तुझसे मिलने आऊंगा" (और वह अपने में हंसी) कहा, "तू क्यों हंसी? "(हूँ–हुंह) अब उसने प्रतिज्ञा की। वे, वे लोग थे जो प्रतिज्ञा के पुत्र की प्रतीक्षा कर रहे थे।

193 अब, मैं चिंता नही करता लोग नामधारीयो में कार्य करते हैं, कहते हैं, वे "मसीह की प्रतीक्षा कर रहे है," उनके कार्य सिद्ध करते है कि वे नही है। यह ठीक बात है। आपके कार्य आपके वचनों से अधिक तेज बोलते है। कुल मिला कर वे नामधारी सदस्य बनाने की सोचते हैं, परंतु कुछ लोग है, एक *यहां* और *वहां*, जो प्रभु के आगमन की राह देख रहे है, वे देख रहे है... यदपि। केवल उन्हीं पर वह स्वयं को प्रकट करेगा, केवल वही समझेंगे।

194 केवल चुने हुए ही समझ पाये कि वह कौन था। जरा सोचे वहाँ लग भग तीस लाख लोग, यहूदी पृथ्वी पर थे उनमें से एक तिहाई ही कभी जान पाए कि जब तक कि वह आया किया और चला ना गया। समझे? परंतु उसने स्वयं को उन पर प्रकट किया जो उसकी राह देख रहे थे: यहुन्ना बपतिस्मा देने वाला और—और चेले जो यहुन्ना के द्वारा बुलाए गए और आदि–आदि, और मंदिर में अंधी हन्ना, शिमोन याजक "उस पर यह पवित्र आत्मा के द्वारा प्रकट किया गया कि वह मसीह को देखने जा रहा है।" वे सारे धार्मिक नेता धर्म ज्ञानी और आदि–आदि अंधे, जितने हो सकते है!

195 केवल वर्षा ही बीज को बढ़ा सकती है, यदि बीज पहले ही वहां पर है। और जैसे कि आप अपने पिता में जीवांश थे वह आपको नही जानता था, यदपि आप अपने पिता में थे। परंतु आपकी माता के गर्भ धारण के द्वारा आप उसकी समानता में प्रकट हुए और तब वह आप से बातें कर सका। परमेश्वर, महान परमेश्वर; यदि आपके पास अनंत जीवन है, तो अनंत जीवन का जीवांश आरंभ में परमेश्वर में था। और आप वहां पर थे, आप उसके विचारों में थे, आपका नाम और सब और उसने अपने पूर्व ज्ञान से आपको यह देखने के लिए ठहराया, और आप जो ठहराये नही गए इसे

कभी नही देखेंगे। परंतु, स्मरण रखें प्रभु यीशु के नाम में, "वह घडी यहां पर है!" क्या आप उसका विश्वास नही करेंगे? अपने जीवन उसे दे दे, मुझे रुकना है, यह नौ बज गए।

आईए हम अपने सिरों को झुकाए।

196 "मैंने सुन लिया, प्रभु, तुझे, अब मैं तुझे देखता हूं!" प्रभु यीशु, जैसे कि यह लोग प्रतीक्षा देख रहे हैं, इन्हें आशीषित करें।

197 अब मैं आप से एक प्रश्न पूछने जा रहा हूं। मैं पवित्र आत्मा को आपके विचारो को परखने देने जा रहा हूं (मैं विश्वास करता हूं कि वह करेगा) आपको परखे, आपके प्राण को परखे, और देखें यदि आप वास्तव में विश्वास करते है। और यही आप पाते है कि वहाँ थोड़ा सा संदेह है क्या आप अपना हाथ उठाएंगे? कहे, "प्रभु यीशु, मैं आपको देख लू। मैंने आपके विषय में सुना है, परंतु मैंने आपको वास्तव में कभी नही देखा। मैं आपको देखने पाऊं, मैं विश्वास करुंगा।" ठीक है। अच्छा है।

198 क्या यहां कोई ऐसा है, जो उसे अपना बचाने वाले के समान ना जानता हो? अपना हाथ उठाये कहे, "यदि... मैं—मैं एक पापी हूं परंतु यदि मैं... यदि आप—यदि प्रभु येशु आप मुझे आपको देखने देंगे, इस वचन को प्रकट करें, जिसकी ये बातें कर रहे हैं। मैं जानता हूं कि ऐसे ही अय्यूब ने आपको देखा। मैं जानता हूं ऐसे ही अब्राहम ने आपको देखा। मैं जानता हूं ऐसे ही बाकी सबने आपको देखा, क्योंकि यह आपकी प्रतिज्ञा का वचन है, जो प्रमाणित हो रहा है। मैंने सब प्रकार की बातें सुनी है, और नकले और सब परंतु मैं समझता हूं कि एक अंत के दिन का संदेश है, इस राष्ट्र में जो कि नदी पर एक स्वर्गदूत के द्वारा 1933 में बताया गया। मैंने सुना है कि चंगाई सभाये चल रही है, और मैं जानता हूं कि कब–कब होती है, मैं उसी पुरानी नामधारी लीक पर नही टिक सकता।" यह उसके लिए नही भेजा गया था वहां कभी भी नही रुका। [टेप पर खाली स्थान।—सम्पा]... ? ...

199 क्या हो यदि मूसा आ जाए, कहे, "चलो नूह के समान नाव बनाएं, जो मिस्त्र से तैर कर नदी पर जाये"? ओह, नही। समझे? नही! उसके पास परमेश्वर से एक संदेश था, वह प्रगटीकरण था। कि नबी दृश्य में उठा उसे ठीक वहां इस्राएल पर प्रमाणित होना था उनके पास चार सौ वर्ष से भविष्यवक्ता नही था, उनके पास भविष्यवक्ता नही था और यहां

भविष्यवक्ता दृश्य मैं आया। उन्हें यह मालूम हो जाना चाहिए था कि कुछ घटित होने वाला था।

200 इस्राएल के पास फिर सैकड़ों वर्ष से भविष्यवक्ता नही था, और यहाँ दृश्य पर यीशु आया और कुंए पर स्त्री ने कहा, "मुझे लगता है कि तू भविष्यवक्ता है। हमारे पास चार सौ वर्षों से नही है।" क्योंकि, वह जानता था कि उसके हृदय में क्या था। समझे?

201 अब, हमें सुधारको से होते हुये एक कलीसिया की प्रतिज्ञा की गई है, और वे हमें मिल चुके। परंतु उसने मलाकी 4 में प्रतिज्ञा दी है वह अंत के दिनों में अपने नमूने को बनाए रखेगा जो कि घटित होगा, "बालकों के हृदय को प्रेरित पूर्वजों के विश्वास की ओर फेरेगा।" उस विशेष उद्देश्य के लिए! और कलीसिया नामधारी और वादों में इतनी टूट गई, इतने टुकड़े हो गए कि यह मर गई; यह एक ले जाने वाली थी। और फिर उसने सातवें दूत के संदेश के समय में प्रतिज्ञा करी सात मोहरे प्रकट की जायेगी; और परमेश्वर के भेद खोले जायेंगे (प्रकाशितवाक्य 10) जब सातवा दूत अपना संदेश देगा, चंगाई सभा नही, वह संदेश देगा जो चंगाई सेवा के प्रश्चात आता है।

202 यीशु एक "महान व्यक्ति" था जब तक वह रोगियों को चंगा कर सका, परंतु जब उसने कहा, "मैं और मेरा पिता एक है।"

203 "हु–हुंह, यह गलत था!"

204 अय्यूब "महान," था जब तक उसके साथ कुछ घटित हुआ। समझे? यह सदा इसी प्रकार हुआ है।

205 विश्वास करते है! क्या अब आप स्वीकार करेंगे हाथ उठाए कहे, "मैं उसका विश्वास करता हूं, मैं उसे स्वीकार करना चाहता हूं।" परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छा है।

आप वास्तव में शांत होकर और एक श्रण के लिए प्रार्थना करें।

206 प्रिय परमेश्वर, इस परम पावन घड़ी में यह एक ऐसा समय होने जा रहा है, जब किसी दिन एक वास्तव गर्जना गर्जेगी और मनुष्य का पुत्र स्वर्ग में एक ललकार के साथ उतरेगा प्रधान दूत के शब्द के साथ, और परमेश्वर की तुरही, और मसीह में मरे हुए जी उठेंगे। और हम में से प्रत्येक जानता है और आज रात्रि हमें मालूम है, पिता, कि हम पर शब्द के लिए जो हम

बोलते है उत्तर देने जा रहे हैं, और हर वचन जो हम देते है, यहाँ तक कि अपने मस्तिष्क के विचार हम इसके लिए उत्तर देने जा रहे है। परमेश्वर, मैं आपसे यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूं कि आप हर ह्रदय को जो यहाँ है शुद्ध करेंगे, मेरे ह्रदय को शुद्ध करें लोगों को शुद्ध करें, और प्रभु होने पाए कि तैयार हो जाए और हमारी आत्मिक आंखें खोली जाए, आज रात्रि, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की महिमा को देखने के लिए। हमने उसके विषय में सुना है, ओह परमेश्वर पिता, हम प्रार्थना करते है कि आप हमें उसे देखने देंगे, पिता। इसे ग्रहण करें, इन आशीषों को प्रदान करें, मैं यीशु मसीह के नाम में हो कर प्रार्थना करता हूं। आमीन।

207 अपने ह्रदय में स्मरण करें, जहाँ आप बैठे हुए है, अपनी एक छोटी वेदी बना ले। कहे, "प्रभु यीशु, मेरे ह्रदय में आ जाए, मुझे कुछ दे... कुछ जो मैं थाम सकूं। मुझे उस प्रेरणा को अनुभव करने दे, जो मुझे बताती है कि आप 'उपस्थित है।'"

208 अब, लोगों को क्या बयान दू! कि करने के लिए क्या चीज है! अब मैं प्रभु परमेश्वर से मांगने जा रहा हूं...

209 आप में से कितने टेप लेते हैं? आपने सुना है: *श्रीमानो क्या यह समय है?* क्या हमने आपको वे पत्रिकाएं और चीजें दिखायी है, एक वर्ष पहले यह घटित हुआ? विज्ञान ने इस पर मोहर लगाई है। वहां प्रभु यीशु ताज पहने हुए और सफेद बालों की टोपी लगाए हुए जैसे कि आप बाईबल में देखते है, प्रकाशितवाक्य एक में और डेनियल, स्वर्ग और पृथ्वी सर्वोच्च न्यायी। ठीक वहां पर, जब की विज्ञान स्वयं इसे नही देख सकता। और वेधशाला में, वहां ऐरीजोना विश्वविद्यालय और नीचे मेक्सिको तक वे खोज रहे है, पिछले दो वर्षों से। और आपको पहले ही से यह बता दिया गया था कि "घटित होने जा रहा है।"

210 अलास्का के भूकम्प के विषय में क्या है? ध्यान दें हॉलीवुड सागर में गिरता है! प्रतीक्षा करें और देखें, कि यह होता है कि नही, उसने अब तक मुझे कोई भी बात गलत नही बताई, यह इसे करेगा। समझे? अब ध्यान दें और देखे यदि हम इतिहास के अंत में नही रह रहे हैं। कोई मनुष्य किस घड़ी होगा नही जानता वह आ रहा है। परंतु मैं एक बात जानता हूं: मैं विश्वास करता हूं अपनी वर्तमान स्थिति में, यदि सही मनोस्थिति में हूं, और यदि मैं एक मसीही नही, मैं एक वास्तविक बाईबल मसीह होने में आश्वस्त होना

चाहता हूं। कभी निर्भर ना करे कि आप चिल्लाये है। इस प्रात: हमने यह सुना है, परमेश्वर के वचन से सिद्ध किया; कुल मिला कर यह परमेश्वर कि इच्छा से बाहर है यह कुछ नही सिवाये मृत्यु के डंठल में ना रहे, जीवन में रहे। समझे? परमेश्वर में विश्वास करे।

211 क्या आप विश्वास करते हैं, वह परमेश्वर जिसने यह प्रतिज्ञा की है उत्पत्ति के पुस्तक में स्वयं ही अब्राहम प्रकट हुआ, और यह आश्चर्यजनक कार्य किया, वही परमेश्वर देहधारी हुआ, मानव देह में और कुंवारी से जन्मा। यह वहां एक थीयोफनी (दैविक शरीर) था, सही है परंतु जब तब वह मानव देह में आया और वही पुरुष था, और उन्हीं चीजों को किया... क्या आप विश्वास नही करते, यदि परमेश्वर एक व्यक्ति को ले, जो कि उसने मलाकी चार में प्रतिज्ञा की एक प्रणाली जिसमे होकर वह बोले, वह उन्हीं चीजों को करेगा, उसने कहा, यह वह वहां करेगा? क्या आप विश्वास करते है? मैं विश्वास करता हूं वह यह भी करेगा।

212 क्या आप विश्वास करते है कि आपके पास विश्वास हो सकता है कि उसके वस्त्र को छुए, उसका विश्वास उसका वस्त्र छूने को? अब जो उपस्थित है, क्या आप विश्वास करते है कि आपके हृदय से कोई चीज बोल रही है, जो आपको बताएगी कि आपके विश्वास है कि उसके वस्त्र को छुए? आप विश्वास करते है कि आप क्या कर सकते है? तब फिर आप बढ़े और अपने विश्वास से उसे छू ले, भावावेश से नही बिल्कुल शुद्ध बिना मिलावट के विश्वास से। बस कहे, "प्रभु में विश्वास करता हूं, मैं अपने पूरे हृदय से विश्वास करता हूं। मैं चाहता हूं कि आप मुझे छुए क्योंकि मैंने सुना है कि आपने ऐसा किया है, अब मैं इसे अपनी आंखों से देखना चाहता हूं।"

213 और मैं आपको नही छु सकता। यह तो परमेश्वर है, जो छुता है। क्या आप विश्वास करते है कि वह यह करेगा? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

214 मैं बाई ओर पीछे देख रहा हूं, ऐसा प्रतीत होता है कि वहां मार्ग है, जैसा कि मैंने बोला है उधर की ओर खींच रहा है, मेरी अगुवाई उधर की ओर हो रही है, अब यह बहुत शानदार आ रहा है। यह महिला अपने पति के संग बैठी है। वह यहां से नही है। वह टेक्सास डालास से है। वह बीमार है, उसका पति भी बीमार है। वह एक जटिलता से पीड़ित है, उसका ऑपरेशन हुआ

है। यह ठीक बात है। उसका पति अपनी पीठ में किसी चीज से पीड़ित है, पीठ की परेशानी। श्री और श्रीमती कोरबेंट टेक्सास से; डालास, टेक्सास से। यदि यह ऐसा है तो अपना हाथ उठाये। मैं आपके लिए अपरिचित हूं। क्या ठीक बात है? संसार में मेरे पास कोई विधि नही कि यह जान सकूं, यह क्या है? "मैंने तेरे लिए कानों से सुना है, अब मैं तुझे देखता हूं।" देखा मेरा क्या अर्थ है? अब मैं उस युगल से पूछता हूं, मैंने उन्हें कभी अपने जीवन में नही देखा। "मैंने मेरे विषय में कानों से सुना है, अब मैं तुझे अपनी आंखों से देखता हूं।"

215 यदि आप विश्वास कर सकते है, परमेश्वर जो आपकी आवश्यकता है उसे पूरा कर सकता है।

216 वह पुरुष अपना हाथ ठोड़ी पर रखे बैठा है उसे उच्च रक्त–चाप के साथ। श्रीमान, क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर आपको चंगा कर सकता है? आप करते है? अपने हाथ के साथ *इस* प्रकार बैठे हुए, क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको इस उच्च रक्तचाप से चंगा करेगा? अपना हाथ उठाये, यदि आप इसका विश्वास करते है। ठीक है। वह यह करता है। मैंने इस व्यक्ति को कभी अपने जीवन में नही देखा। मैं इनके विषय में कुछ नही जानता। परंतु आपने सुना है कि यीशु ने कहा यहां बाईबल में की वह इन चीजों को करेगा, अब आप इसे देखते है, आप देखते है मेरा क्या अर्थ है? "यदि तू विश्वास करे तो सारी बातें संभव है।" केवल उनके लिये जो विश्वास करते है! इसके लिए वास्तविक मूल विश्वास चाहिए कि करे। परंतु यदि आप विश्वास कर सकते है तो, परमेश्वर यह प्रदान करेगा।

217 वह पीछे एक महिला बैठी है, मेरी ओर देख रही है, उसके गले में घेंघा है।

218 उसके बराबर में जो महिला बैठी है, वह यह समझेगी वह महिला जिसे उच्च रक्त–चाप भी है। यह ठीक बात है।

219 अगली महिला जो बैठी है, उसे भी परेशानी है। और वह यहां से नही है, वह अरकनसास से है। वे इसमें चूक रहे है। कुमारी फिलिप्स, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करें और चंगी हो जाए! क्या आप उस पर विश्वास करती हैं? अपने संपूर्ण हृदय से? आप इसे स्वीकार करती हैं? ठीक है। तो आप यह पा सकती हैं।

अब आप कहते हैं, "यह भेद पूर्व है।" नही! नही!

220 यीशु ने कहा, "तेरा नाम शमौन है, तू योना का पुत्र है।" क्या यह ठीक बात है?

221 "मैंने तेरे विषय में कानों से सुना, अब मैं अपनी आंखों से देखता हूं।" अब क्या आप नही देखते कि क्या घटित हुआ? कोई वहां पर बैठा है, देख रहा है, विश्वास कर रहा है, भरोसा कर रहा है और एक दम से यह हो गया। समझे?

222 पुत्र आज रात्रि अच्छा कर रहे हो बजाये बीती रात्रि के? ठीक हो रहा है? अब यह ठीक बात है आप चंगे होने जा रहे हैं (हूं–हुंह) पिछली रात्रि यहाँ बैठे हुए, सिर मार रहा था और सब कुछ अब आज रात्रि वह सज्जन पुरुष दिख पड़ता है। समझे? वह इन बातों के विषय में थोड़ा असमंजस में है, परंतु अब यह सब ठीक हो गया। समझे? यह ठीक हो जाएगा। समझे? "और उस दिन मनुष्य का पुत्र प्रगट हो रहा था, देखिए, ठीक सादोम के जलने से पहले।"

223 "मैंने अपने कानों से तेरे विषय में सुना है, अब मैं तुझे अपनी आंखों से देखता हूं। मैंने सुना कि यीशु मसीह कहता है उसने यह प्रतिज्ञा की है, मैं अब प्रतिज्ञा को जीवित देखता हूं।" समझे? "मैंने कानों से तेरे विषय में सुना है, अब मैं उसे अपनी आंखों से देखता हूं।" कितने विश्वास करते हैं कि यह वही है? (ओ परमेश्वर!)

224 अब जबकी हम लोग यहां पर है... देर हो रही है, कल रात्रि हम चंगाई की महान सभा करने जा रहे है। हम आशा कर रहे है भाई मूर और मैं यहां खड़े होकर और हर एक व्यक्ति के लिए प्रार्थना करेंगे जो पंक्ति में आना चाहता है। परंतु मैंने सोचा आज रात्रि यह बोलते हुए मैं वेदी की बुलावट करने जा रहा था। परंतु मैंने सोचा, "नही," यह कहा गया, "मैंने तेरे विषय में कानों से सुना था, अब मैं तुझे अपनी आंखों से देखना चाहता हूं।" अब वह यहां पर है। क्या आप इसका विश्वास करते है?

225 अब आईये एक दूसरे पर हाथ रखे। अब याद रखे वही जिसने प्रतिज्ञा की है वही *इसे* करेगा, कहा, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" क्या उसने यह कहा? क्या आप एक विश्वासी है? तो "आमीन" कहे। तो, फिर वही परमेश्वर जिसने यह प्रतिज्ञा की है कि आप उसे यह करते हुए

देखते हैं, अभी–अभी... आप किसी से भी पूछ लीजिए, मैंने उन्हें कभी नही देखा उनके विषय में कुछ नही जानता मैं अब भी कुछ नही जानता, देखिए यह मेरे लिए असंभव है। परंतु इस वचन को पूरा होना है! यदि यह पूरा हुआ है, तो ये यह दर्शाता है कि हम अंत के समय में है, तो हम जान जायेंगे कि मनुष्य का पुत्र तैयार है... कि आए, क्योंकि वह स्वयं को मानव देह में प्रकट कर रहा है। क्या यह ठीक बात है?

226 तो फिर हम जानते है कि यह सत्य है और आप कहते है कि आप उस पर विश्वास करने वाले है, और अपने अपने हाथ एक दूसरे पर रखे हुए है। और यदि आपने अपने हाथ एक दूसरे पर रखे है तो वही परमेश्वर का पुत्र जो यहां *इसे* सत्य करने के लिए अपनी आंखों के सामने वही पुत्र यहां कहने को है, "वे चंगे हो जायेगे!" वहीं परमेश्वर का पुत्र! "मैंने सुना उसने कहा, 'यदि विश्वासी अपने हाथ रखे, तो वे चंगे हो जायेंगे।' मैंने यह कानों से सुना, अब मैं इसे अपनी आंखों से देख लू। उसने यह करने की प्रतिज्ञा की है।"

अब जब की मैं प्रार्थना करता हूं, आप प्रार्थना करें।

227 प्रभु यीशु, स्वर्ग के प्रभु परमेश्वर के नाम में आपका आत्मा इन लोगों के हृदय में आए परमेश्वर का सच्चा विश्वास कि आपकी प्रतिज्ञा की पुष्टि इस पर हो। और स्वर्ग का परमेश्वर इस में से प्रत्येक को चंगा करें जैसे कि ये तेरी आज्ञा का पालन अपने हाथ एक दूसरे पर रखने के द्वारा करते है, प्रभु, ऐसा होने दे। यीशु मसीह के नाम में इसे प्रदान करें कि ऐसा हो, आपकी महिमा के लिए।

228 अब क्या आप विश्वास करते है कि जो आपने मांगा आपने पाया? क्या आपके हृदय में आपको कुछ बताता है? क्या आप प्रेरणा का छोटा सा अंश अनुभव करते है, "क्यों हो गया! यह हो चुका!"?

229 परमेश्वर की आज्ञा ने कहा कि हम अपने कानों से सुन सकते है, अब अपनी आंखों से देख सकते है। अय्यूब ने कहा, "मैंने कानों से सुनते हुए, तेरे विषय में सुना, परंतु अब मैं तुझे अपनी आंखों से देखता हूं।"

230 अब, आपने इसे वचन के द्वारा सुना, वचन के सुनने के द्वारा, "विश्वास सुनने से आता है, वचन के सुनने से।" अब आप इसे अपनी आंखों के द्वारा कार्य करते देखते है! अब, वही परमेश्वर जिसने यह कहा, जब यह

चीजे होने को हो रही हो कि इस पर "विश्वासी अपने हाथ बीमारों पर रखेंगे और वे चंगे हो जायेंगे।" अब क्या यह आपके हृदय में आ चुका है कि आप "चंगे" हो गए है? अपने हाथ उठाये, यदि यह हो गया है। आमीन! यह वास्तविक प्रेरिताई कि चंगाई है। आपका यही अर्थ है? आप इसका पुरे हृदय से विश्वास करते है? हाल्लेलुय्याह! हमें बस इसी की आवश्यकता है।

आईए तो हम अपने पैरों पर खड़े हो और उसे महिमा दे।

231 धन्यवाद प्रभु यीशु, प्रभु का नाम धन्य हो।

मैं उसकी महिमा करूंगा! मैं उसकी महिमा करूंगा!
मेंम्ने की महिमा हो कि पापियों के लिए बलिदान हुआ;
उसे महिमा दे तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो दिया है।

232 अब, क्या आप उससे प्रेम करते है? अब आईए सब मिल कर उसे महिमा दे सारे लोगों। अब, देखिए यदि यह आप पर परमेश्वर के द्वारा प्रकाशित हुआ है उस प्रणाली में जिसमें आप बचाए गए है जिसने आपको बताया "आप बच गए है," उसी प्रणाली में परमेश्वर कार्य करता है जैसे उसने अय्यूब के द्वारा किया और भविष्यवक्ताओं के द्वारा। उसने आपके द्वारा कार्य किया एक मसीही के समान, उस प्रणाली से उसके दिव्य प्रकाशन के द्वारा कि आप चंगे हो गए है, तो इसे घटित होने से कोई नही रोक सकता।

इसलिए हम उसे महिमा देते है तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने प्रत्येक को धो दिया... (हर संदेह;
हर संदेह धो दिया)

मैं उसकी महिमा करूंगा! मैं उसकी महिमा करूंगा!
मेम्ने की महिमा कि पापियों के लिए बलिदान हुआ;
उसे महिमा दे, आप सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो डाला।

233 ओह, क्या आप उससे प्रेम नही करते? ओह, कितना शानदार है। "प्रभु मैंने तेरे विषय में सुना है अपने कानों से और विश्वास सुनने से आता है; परंतु अब मैं तुझे देखता हूं, परमेश्वर स्वयं को अपने लोगों के मध्य में प्रकट कर रहा है जैसे उसने अब्राहम के साथ किया, अपनी प्रतिज्ञा के

द्वारा कि मनुष्य का पुत्र स्वयं को, जब संसार सादोम अमोरा कि दशा में हो जाएगा उन दिनों में प्रकट करेगा।"

234 और वहां तीन संदेश वाहक आये, स्वर्ग से उतरे।

235 और नामधारी का एक झुंड वहां सादोम में था और एक बिली ग्राहम और एक ऑरल रॉबर्ट वहां गए। और स्मरण रखें जैसा मैंने आपको बता दिया है कलीसिया के इतिहास में कभी कोई संदेश वाहक अब तक विश्व स्तर पर भेजा गया हो, जिसके नाम का अंत अब्राहम के समान हो रहा हो जैसे, h–a–m G–r–a–h–a–m, छः अक्षर, संसार को, मनुष्य का अंक।

236 परन्तु अब्राहम के नाम में सात अक्षर है, परमेश्वर का पूर्ण और सिद्ध अंक। समझे?

237 और ध्यान दें कि संदेश वाहकों ने क्या किया जो वहां गए; वचन प्रचारा, उन्हें बाहर निकाला, प्रायश्चित के लिए बताया।

238 परंतु एक जो वहां अब्राहम के साथ पीछे रुका अब्राहम को बताने के द्वारा आश्चर्यकर्म किया कि साराह क्या कर रही थी और उसके पीछे तंबू में। और यीशु, वह कौन था जो इस व्यक्ति में था, कहा, "जब संसार सादोम की दशा में होगा, जैसा यह तब था, मनुष्य का पुत्र फिर प्रकट होगा।" और सारे दूसरे वचन की पुष्टि हुई कि ऐसा ही है। वो... "आदि में था" [सभा कहती है, "वचन।"—सम्पा।] "और वचन के साथ था" ["परमेश्वर, "] "और वचन था" ["परमेश्वर, "] "और वचन देहधारी हुआ और हमारे मध्य में वास किया।" क्या यह ठीक बात है? अब हम वैसा ही लूका का, मलाकी का वचन प्रतिज्ञा में देखते है आज से, देहधारी हुआ हमारे बीच में रहा जिसे हमने अपने कानों से सुना अब हम उसे देखते है (अपनी आंखों से) अपने ही वचन का अनुवाद कर रहा है, हमें मनुष्य के अनुवाद की आवश्यकता नही है। ओ जीवते परमेश्वर की कलीसिया यहां और टेलीफोन प्रणाली पर जल्दी जागो, इसके पहले कि बहुत देर हो जाए! परमेश्वर आपको आशीष दे।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने मुझ से पहले प्रेम किया,
और मैंने उद्धार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष।

239 कलीसिया क्या तू सोच सकी कि तू स्वयं अपनी आंखों से देख रही है... कि परमेश्वर का जीवता वचन प्रकट हुआ, प्रतिज्ञा की घड़ी अंत के दिनों में, अपनी आंखों से परमेश्वर के जीवते वचन का अनुवाद संभावित रूप में देख रहे है, परमेश्वर हमारे मध्य में! "मैं उसे अपनी आंखों से देखता हूं एक... मैंने सुना है कि वह यह करेगा।" सारे पूर्वजों ने इस दिन कि ओंर देखा अब हम इसे अपनी आंखों से प्रकट होते हुए देखते है। कितने पुराने चिल्लाने वाले मैथोडिस्ट, बेप्टिस्ट और वास्तविक मूल पेंटीकोस्टल अपने युग में इसे होने की प्रतिज्ञा करते रहे उन में से बहुत से जानते थे कि यह घटित होगा। परंतु आज रात्रि हम इसे घटित होते हुए देख रहे है हो! क्या आप उससे प्रेम नही करते?

240 अब यीशु ने कहा, "यह सब लोग जान जायेंगे कि तुम मेरे चेले हो जब तुम एक दूसरे से प्रेम रखोगे।" इसलिए जैसा हम उससे प्रेम रखते है, हम एक दूसरे से हाथ मिलाए और गाये *मैं उसकी स्तुति करूंगा! मैं उसकी स्तुति करूंगा!* ठीक है।

> मैं उसकी महिमा करूंगा! मैं उसकी महिमा करूंगा!
> ओ मेमने की महिमा हो कि पापियों के लिए बलिदान हुआ;
> उसे महिमा दे, सारे... (आप कैसे करते है?)... लोगों
> क्योंकि उसके लहू ने सारे दाग धो दिए

241 उस रात्रि बेल्टशेजंर की रानी ने राजा के सामने क्या कहा? "एक मनुष्य तेरे राज्य में है, जो संदेहो को दूर करता है।" और आज रात्रि पवित्र आत्मा संदेहों को दूर करता है! क्या आप इसका विश्वास करते है? (वो क्या चाहती है? ओह, कोई बात नहीं।) संदेहों को पूरा करता है! अब मसीह का लहू हर दाग को हटाता है, संदेह के दाग को। संसार में अविश्वास से बड़ा पाप कोई नही, "क्योंकि वह जो विश्वास नही करता दोषी ठहर चुका!" क्या यह ठीक बात है? "वह जो विश्वास नही करता दोषी ठहर चुका।" केवल एक ही पाप है और वह अविश्वास है। सिगरेट पीना पाप नही, शराब पाप नही, व्यभिचार करना पाप नही, झूठ बोलना पाप नही है; यह पाप नही है, यह तो अविश्वास के परिणाम में है। अविश्वास! आप यह करते है क्योंकि आप विश्वास नही करते। यदि आप विश्वास करते तो आप यह नही करते।

242 ओह! ओह! क्या... शानदार! और मेम्ने के लहू ने हर संदेह को धो डाला। हम उसके वचन का विश्वास करते है, जोरदार रीति से। हम विश्वास करते है कि वचन देहधारी हुआ। और हम विश्वास करते है कि वचन उसकी उपस्थिति के प्रमाण से देहधारी हुआ कि उसके वचन पुष्टि करें। क्या आप इसका विश्वास करते है? परमेश्वर आपको आशीष दे।

243 हम इस प्रात: हम आपकी आशा करते है, प्रभु, मैं उस महान समय के लिए। अब अपने सिरो को झुकाए, और मैं सभा को भाई लिंडसे को देता हूं।

मैंने सुना है परंतु अब मैं देखता हूं HIN65-1127E

(I Have Heard But Now I See)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शनिवार शाम, 27 नवम्बर, 1965 को लाइफ टेबरनेकल, शेवरेपोर्ट, लोसिअना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org